हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 29 अप्रैल 2026

Learn with Global Leaders.
Get Placed with Top Recruiters

RUNGTA INTERNATIONAL SKILLS UNIVERSITY
Approved by UGC U/s 2(F)
27 YEARS OF DEVELOPING BRIGHT FUTURES

RUNGTA UNIVERSITY

Our Industry-Integrated Programmes are more than a curriculum - they are a career blueprint. Designed alongside the world's top companies, these programmes immerse you in live projects, global exposure, and hands-on training that transforms students into industry-ready professionals from day one.

From **Chhattisgarh**
to the **Global AI Stage**

Rungta University
student shares screen with

Google CEO
Sundar Pichai

Joint Degrees with Global Leaders

Get real-world skills and global recognition. Our programmes, created with industry leaders, help you build a degree that matters to your future.

Google · IBM · Microsoft · EC-COUNCIL · ACCA · Meta · Harvard Business School · University of Cambridge · University of London · coursera · NVIDIA · University of Michigan · Duke University · tableau · ie Business School · University of Minnesota · Tally

COURSES OFFERED

School of Computer Science and Engineering
- **B.Tech.** (Computer Science & Engineering) in association with **Google**
- **B.Tech.** CSE (AIML) in association with **IBM**
- **B.Tech.** CSE (AI / AIML / Data Science) in association with **Google**
- **B.Tech.** (Cyber Security) in association with **EC Council**
- **M.Tech.** (Computer Science & Engineering)
- **Diploma** (Computer Science & Engineering)

School of Management & Commerce
- **BBA**
- **BBA** (Global)
- **BBA** (Business Analytics) in association with **IBM**
- **BBA** (AI & Emerging Technologies) in association with **Google**
- **BBA** (Digital Branding & Advertising)
- **MBA**
- **MBA** (Global)
- **B.Com.**
- **B.Com** with **ACCA** in Association with Grant Thornton **(GT)**

School of Law
- **B.A. LL.B** (Hons.)
- **B.Com. LL.B** (Hons.)
- **LL.M.** (Corporate & Commercial Law / AI, Cyber & Technology Law)

School of IT
- **BCA** (AIML / Data Science / Full Stack) in association with **Google**
- **MCA** (AIML / Data Science / Full Stack) in association with **Google**
- **PGDCA**
- **DCA**

School of Engineering and Technology
- **B.Tech.** (Civil / Electrical / Electronics & Telecommunication / Mechanical / Mining)
- **M.Tech.** (Structural)
- **Diploma** (Electrical / Mechanical)

School of Life Sciences
- **B.Sc.** (Biotechnology with Zoology / Botany)
- **B.Sc.** (Forensic Science)
- **M.Sc.** (Biotechnology)
- **M.Sc.** (Forensic Science)
- **Diploma** (Forensic Science)
- **Master** in Public Health

School of Humanities
- **B.A.** with Integrated UPSC coaching
- Ten-Month **IAS Programme**

School of Pharmacy
- **B.Pharmacy**
- **D.Pharmacy**
- **M.Pharmacy** (Pharmaceutics / Pharmacology / Pharmaceutical Chemistry)
- **B.Pharmacy** (Practice)

School of Sustainable Development
- **BBA** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **B.Voc** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **MBA** - Sustainable Development, ESG & CSR
- **Executive MBA** - Sustainable Development, ESG & CSR

School of Research Programmes
- **PhD** (Engineering / Applied Sciences / Pharmacy / Computer Science / Humanities, etc.)

School of Film & Media
- **B.A. / B.Voc.** (Film Making)
- **D.Voc.** (Film Making)

School of Education
- **D.Ed.**
- **B.Ed.**
- **M.Ed.**

Deepak Advertisers

Accreditations & Recognitions

NAAC A++ Accredited "A" Grade · NBA Accredited Since 2007 · nirf Ranked in Innovation · CAREERS360 Rated "AAAA" for Engineering

Rungta Educational Campus, Kohka-Kurud Road, Bhilai Chhattisgarh 9016 11 33 33

ADMISSIONS OPEN

सरकार के संशोधन विधेयक को मिली राज्यपाल की अनुमति

हाउसिंग बोर्ड अब बना अधोसंरचना विकास मंडल, बनाएगा सड़क, पुल, हवाई अड्डे, सीवेज और वाटर सिस्टम

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

छत्तीसगढ़ का गृह निर्माण मंडल अब पहले से अधिक शक्तिशाली होकर काम कर सकेगा। राज्य सरकार ने इसे अब अधोसंरचना विकास मंडल भी बना दिया है। इसके लिए सरकार ने विधानसभा में संशोधन विधेयक पारित कराया था, इसे अब राज्यपाल की अनुमति मिल गई है। नए अधिनियम के तहत मंडल अब सड़कों, पुलों, हवाई अड्डों, सीवेज प्रणालियों और शहर-स्तरीय जल आपूर्ति प्रणालियों के निर्माण की योजनाएं बना सकेगा और उन्हें लागू कर सकेगा।

इस संशोधन के साथ ही अब 'छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल' का नाम बदलकर 'छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल' कर दिया गया है। मंडल का नया नाम अब इसकी विस्तारित भूमिका को दर्शाएगा, जिसमें आवास के साथ-साथ 'अधोसंरचना विकास' को भी जोड़ा गया है।

हाउसिंग बोर्ड को अब पुरानी कॉलोनियों, जर्जर भवनों और कम उपयोग वाली जमीनों के पुनर्विकास (रीडेवलपमेंट) की शक्ति दी गई है।

छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) अधिनियम भी मंजूर

साथ ही, आवास और बुनियादी ढांचे के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) आधारित परियोजनाओं पर काम करने की अनुमति भी मिल गई है। अब यह मंडल स्थानीय निकायों (नगर निगमों, पालिकाओं और पंचायतों) तथा नगर विकास प्राधिकरणों को उनकी तकनीकी और वित्तीय क्षमता में सुधार के लिए परामर्श सेवाएं भी प्रदान करेगा। अधिनियम के खंड 33-क के माध्यम से मंडल को व्यापक अधिकार दिए गए हैं, जिससे वह मास्टर प्लान को लागू करने और नगर निवेश स्कीमों (टीपीएस) को तैयार करने में सक्षम होगा। इसके अलावा, मंडल अब राज्य शासन द्वारा सौंपे गए स्लम पुनर्विकास जैसे किसी भी अन्य प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन भी कर सकेगा। राज्य सरकार ने एक और विधेयक विधानसभा में पारित कराया था, इसे भी राज्यपाल की अनुमति मिल गई है। यह विधेयक छत्तीसगढ़ नगर तथा ग्राम निवेश (संशोधन) अधिनियम, 2026' है। यह नया कानून तत्काल प्रभाव से पूरे राज्य में लागू हो गया है । अब राज्य सरकार किसी भी विशिष्ट योजना क्षेत्र के लिए मौजूदा नगर तथा ग्राम विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त अन्य निकायों को भी 'प्राधिकरण' के रूप में काम करने के लिए नामित कर सकेगी।

अब सरकार इन निकायों को विशिष्ट क्षेत्रों के लिए नगर तथा ग्राम विकास प्राधिकरण के रूप में नामित कर सकेगी। राज्य सरकार की कोई भी एजेंसी। राज्य सरकार के स्वामित्व वाली कंपनियां । नगरीय स्थानीय निकाय (केवल अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर)। नामित किए गए इन निकायों को सरकार वे सभी शक्तियां और उत्तरदायित्व सौंप सकेगी जो एक विकास प्राधिकरण के पास होते हैं । इसमें प्रमुख रूप से शामिल हैं। नगर विकास योजनाओं की तैयारी। योजनाओं का निष्पादन, नगर विकास योजनाओं क्रियान्वयन। विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से राज्य के शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास और व्यवस्थित टाउन प्लानिंग में तेजी आएगी।

सरकारी विभागों के बिजली कनेक्शन अब जून से प्रीपैड होने की संभावना

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

प्रदेश के सरकारी विभागों के कनेक्शन मई से भी प्रीपैड होने नहीं हो सकेंगे। अभी भी छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी विभागों को प्रक्रिया के बारे में समझाने में लगी है, ताकि विभाग रीचार्ज करा लें तो कम से कम जून से उनके कनेक्शन प्रीपैड हो जाएं। पहले चरण में ब्लाक स्तर के सभी सरकारी विभागों के करीब 45 हजार कनेक्शनों को प्रीपैड किया जा रहा है। इनको तीन माह का रीचार्ज करना होगा। इसी के साथ अलग-अलग चरणों में प्रदेश के सभी 1.72 लाख बिजली कनेक्शनों को प्रीपैड कर दिया जाएगा।

प्रदेशभर में पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। 1.72 लाख सरकारी विभागों में स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं। इसमें से करीब 160 लाख में ये मीटर लग गए हैं। बचे करीब 12 हजार मीटरों को भी लगाने का काम तेजी से हो रहा है। ये मीटर पंचायतों और आंगनबाड़ी के ही ज्यादा बचे हैं। सरकारी विभागों पर बकाया लगातार बढ़ते जा रहा है। अगस्त 2024 में बकाया 1988 करोड़ था जो बढ़ते-बढ़ते मार्च 2025 में 2444.91 करोड़ हो गया था। अब यह बकाया करीब तीन हजार करोड़ से ज्यादा का हो गया है। इसमें सबसे बड़ा बकाया नगरीय निकायों पर दो हजार करोड़ से ज्यादा का है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग पर 600 करोड़ से ज्यादा है। इसी के साथ अन्य विभागों पर एक करोड़ से लेकर सौ करोड़ तक का बकाया है। यह बकाया मार्च तक 35 सौ करोड़ से ज्यादा का हो गया था। लेकिन इसी के साथ हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया मिलने पर इस समय करीब ढाई हजार करोड़ का ही बकाया बचा है, ऐसा पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है। लेकिन इधर नए सत्र के पहले माह अप्रैल का भी बकाया हो जाएगा। पहले चरण में ब्लाक स्तर पर करीब 45 हजार सरकारी बिजली कनेक्शनों को प्रीपैड करने की तैयारी है। इन सभी कनेक्शनों के विभागों को अपने बजट से तीन-तीन माह का रीचार्ज कराना होगा। जिस विभाग का एक माह का जितना बिल आता है, उसको देखते हुए तीन माह के बिल के बराबर की राशि का रीचार्ज कराना होगा। इस रीचार्ज के समाप्त होने से पहले आने वाले तीन माह के लिए फिर से रीचार्ज कराना होगा। पॉवर कंपनी के अधिकारी ब्लाक स्तर के सभी सरकारी विभागों को प्रकिया के बारे में बता रहे हैं कि किस तरह से उनको अपने कनेक्शनों के लिए रीचार्ज कराना है। संभावना है कि यह सारी प्रक्रिया मई के अंत तक पूरी होने पर जून से कनेक्शनों को प्रीपैड कर दिया जाएगा।

जून से होने की संभावना

ब्लाक स्तर के जिन भी सरकारी विभागों को कनेक्शनों को प्रीपैड किया जाना है, उनको प्रक्रिया के बारे में बताया जा रहा है। प्रक्रिया पूरी होने पर कनेक्शनों को प्रीपैड करेंगे। संभावना है कि जून से कनेक्शन प्रीपैड हो जाएंगे।

- भीम सिंह कंवर, एमडी, वितरण कंपनी

जमीन विवाद पर तीन लोगों की हत्या, तीन बार आजीवन कारावास की सजा बरकरार

बिलासपुर। हाई कोर्ट ने घायल गवाह के बयान को हत्या का पुख्ता साक्ष्य मानते हुए जमीन विवाद पर तीन लोगों की हत्या करने के आरोपी पिता-पुत्र की सजा के खिलाफ पेश अपील को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि एक "संबंधित" गवाह, जो एक घायल गवाह भी है, जो क्राइम की जगह पर नैचुरली मौजूद हो सकता है, उसकी गवाही को सिर्फ़ इसलिए खारिज नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि वह पीड़ित से जुड़ा है और कोर्ट को उसके बयान की भरोसेमंदता, एक जैसापन और तालमेल का आकलन करना चाहिए।

■ तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम जोबा की घटना

तुमगांव थाना क्षेत्र के ग्राम जोबा में 11 सितंबर 2025 को आरोपी परसराम गायकवाड़ और बृज सेन गायकवाड़ ने जमीन बंटवारे के विवाद में ओसराम गायकवाड़ के घर मे घुसकर उसकी पत्नी जागृति, 16 वर्षीय पुत्री टीना गायकवाड़, 9 वर्षीय पुत्र मनीष गायकवाड़ की गला काट कर हत्या कर दी। साथ ही दूसरे कमरे में मौजूद पुत्री गीतांजलि गायकवाड़, ओमान गायकवाड़ व ओस राम की बुजुर्ग माँ अनारबाई गायकवाड़ को गम्भीर रूप से घायल कर दिया। न्यायालय ने दोनों आरोपियों को आईपीसी की धारा 459 के तहत 10 वर्ष के लिए साधारण कारावास, धारा 302 के साथ 34 के तहत (तीन बार) आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ आरोपियों ने हाई कोर्ट में अपील पेश की थी। अपील में आरोपियों ने मामले में स्वतंत्र गवाह नहीं होने व घायल गवाहों के पीड़ितों से सम्बंधित होने के कारण भरोसेमंद नहीं होने की बात कही गई थी। हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज किया है। कोर्ट ने कहा कि हत्या के इरादे से हमला किया गया और उन्हें गंभीर शारीरिक नुकसान पहुंचाया गया। इसलिए आरोपी की सजा और दोषसिद्धि को बरकरार रखा जाता है।

मुख्य सचिव को नोटिस जारी अगली सुनवाई 4 मई को होगी

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने बारहवीं की परीक्षा में खुलेआम नक़ल चलने के मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अगली सुनवाई 4 मई को निर्धारित की गई है।मीडिया में एक खबर प्रकाशित हुई थी, जिसमें बताया गया था कि, बारहवीं बोर्ड परीक्षा में महासमुंद जिले के भंवरपुर परीक्षा केंद्र में खुले आम शिक्षक ही नक़ल करवा रहे हैं। खुद परीक्षा दे रही एक छात्रा ने स्टिंग करते हुए इस पूरे मामले को उजागर किया है। समाचार के अनुसार इस धांधली को उस आदिवासी छात्रा ने स्टिंग के जरिए रिकॉर्ड किया और सबूतों के साथ शिकायत दर्ज कराई। जिला स्तर पर जब सुनवाई नहीं हुई, तो उसने माध्यमिक शिक्षा मंडल के दफ्तर पहुंचकर लिखित शिकायत की। माशिमं के अधिकारियों ने छात्रा द्वारा प्रस्तुत किए गए सबूतों को भी बारीकी से देखा और जांच का भरोसा दिलाया।

नक़ल पर अंकुश लगाने कोई उपाय क्यों नही

मामला स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी-अंग्रेजी माध्यम स्कूल, भंवरपुर का है।बसना विकासखंड के ग्राम रोहिनी की छात्रा नीता सरस्वती शिशु मंदिर भंवरपुर की छात्रा है। परीक्षा के लिए स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट स्कूल को केंद्र बनाया गया था। समाचार के बाद हाईकोर्ट ने इसे एक जनहित याचिका के रूप में दर्ज किया गया। कोर्ट ने सरकार से पूछा है कि इस तरह की गड़बड़ी स्कूलों में कैसे हो रही है। नक़ल पर अंकुश लगाने कोई उपाय क्यों नही किए जा रहे हैं। शासन की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने जारी नोटिस को स्वीकार कर बताया कि, इस विषय में अदालत के निर्देश का पालन किया जाएगा। डिवीजन बेंच ने आगामी 4 मई को अगली सुनवाई निर्धारित कर दी है।

विरोध पर धमकी और दबाव

याचिका में बताया गया कि छात्रा ने जब इस पूरे मामले का विरोध किया और केंद्राध्यक्ष से शिकायत की, तो उसे चुप करा दिया गया। उसे इस बारे में किसी से चर्चा नहीं करने की चेतावनी दी गई। अपने स्कूल के प्राचार्य को जानकारी देने पर भी उसे सहयोग नहीं मिला, बल्कि फटकार का सामना करना पड़ा। लगातार दबाव और धमकियों के कारण नीता मानसिक तनाव में आ गई और बीमार भी पड़ी, लेकिन उसने नकल के खिलाफ अपनी आवाज नहीं रोकी।

अरिहंत-दर्शन
जैन गर्ल्स हॉस्टल
शुद्ध, स्वादिष्ट शाकाहारी भोजन

नास्ता, भोजन एवं लॉण्ड्री के साथ प्रतिमाह
Non AC 9500/-
AC 10500/-, 11500/-, 12500/-
BOOKING STARTS
लक्ष्मी नगर, पचपेढ़ी नाका, रायपुर,
89599-06595 | 99936-87182

उपलब्ध सुविधाऐं
शुद्ध शाकाहारी भोजन (जैन फूड)
ए.सी., लिफ्ट की सुविधा
सी.सी.टी.वी. मॉनिटरिंग
सिक्यूरिटी गार्ड, शानदार लोकेशन
साफ-सुथरा, सुरक्षित, रौशनीयुक्त
वाई-फाई, इंटरनेट सुविधा
आर.ओ.+यु.वी.पेय जल
स्टडी रूम, लॉंड्री
पार्किंग सुविधा, लाने-ले जाने की वाहन सुविधा (सशुल्क)
एलेन, ऐक्सल, अनएकेडमी, वेदांतु, नाहटा, विद्यापीठ एवं PW कोचिंग के समीप

अतिशीघ्र शुभारंभ
अरिहंत-मंगल
जैन ब्वॉयज़ हॉस्टल
सिद्धार्थ चौक, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)
संपर्क - 89599-06595, 93012-07676

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, बुधवार 29 अप्रैल 2026

इंतजार खत्म, आज आएंगे 10वीं-12वीं के परिणाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं-12वीं के परीक्षा परिणामों की घोषणा आज की जाएगी। दोनों कक्षाओं के परिणाम 29 अप्रैल को दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर जारी होंगे। मंत्रालय में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव नतीजों की औपचारिक घोषणा करेंगे। इसके बाद छात्र अपने नतीजे देख सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा मंडल की आधिकारिक वेबसाइट के अलावा डिजिलॉकर सहित 9 वेबसाइट पर उपलब्ध रहेंगे। प्रमुख वेबसाइट में results.nic.in, https://cgbse.nic.in, cg.nic.in तथा digilocker.gov.in शामिल है। उपरोक्त वेबसाइट में परीक्षार्थी अपना अनुक्रमांक प्रविष्ट कर परीक्षा परिणाम देख सकते हैं। नतीजों की घोषणा पेंशनबाड़ा स्थित माध्यमिक शिक्षा मंडल कार्यालय के स्थान पर मंत्रालय में होगी। दसवीं की परीक्षा में इस बार 3.23 लाख छात्र शामिल हुए हैं। बारहवीं की परीक्षा में 2.38 लाख छात्र शामिल हुए। 2025 में 10वीं बोर्ड में 3,23,094 परीक्षार्थी शामिल हुए, जिनमें 76.53 फीसदी छात्र उत्तीर्ण रहे। वहीं 12वीं की परीक्षा में पिछले साल 2.38 छात्र शामिल हुए थे, इनमें से 81.87 प्रतिशत उत्तीर्ण रहे। परिणाम जारी किए जाने के साथ ही अस्थायी मेरिट लिस्ट भी घोषित किए जाएंगे।

दोपहर 2.30 बजे मंत्रालय में शिक्षा मंत्री करेंगे घोषणा

फिर विवादों में घिरा माशिम

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बोर्ड परीक्षाएं इस बार विवादों में रही है। 14 मार्च को आयोजित 12वीं कक्षा का हिंदी विषय का पर्चा लीक होने के कारण माशिम को 10 अप्रैल को इसकी पुनः परीक्षा आयोजित करनी पड़ी थी। माशिम ने पुलिस थाने में इसकी शिकायत की थी। एक माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अब तक आरोपी पकड़े नहीं जा सके हैं। एक अन्य विवाद महासमुंद जिले के भंवरपुर केंद्र को लेकर सामने आ रहा है। यहां परीक्षा दिलाने पहुंची 12वीं कक्षा की एक छात्रा ने स्टिंग ऑपरेशन करते हुए सामूहिक नकल के सबूत माशिम को सौंपे हैं। आरोप है कि यहां खुलेआम विद्यार्थियों को नकल करवाई जा रही थी।

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹103903/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹126900/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹138523/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand jewels

Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

उपराष्ट्रपति ने तिरुमला मंदिर में किया दर्शन पूजन

तिरुपति। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने मंगलवार को तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने वैदिक पुजारियों के साथ मंदिर में प्रवेश करके ध्वजस्तंभ पर प्रार्थना की। दर्शन के बाद, पुरोहितों ने रंगनायकुला मंडपम में वेद आशीर्वादम का पाठ किया और उपराष्ट्रपति को तीर्थ प्रसाद देकर सम्मानित किया।

ट्रक-वैन की टक्कर के कारण चार की मौत

हमीरपुर। हमीरपुर जिले में ट्रक और वैन की आमने-सामने की टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

यह घटना सोमवार देर रात करीब 11 बजे मौदहा क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर छिरका के पास हुई जब कुरारा से बारात लेकर महोबा जा रही एक वैन की गिट्टी से लदे ट्रक से आमने-सामने की टक्कर हो गई।

पति की हत्या की आरोपी सोनम को जमानत

शिलांग। मेघालय की एक अदालत ने हनीमून के दौरान अपने पति की हत्या करने की आरोपी इंदौर निवासी सोनम रघुवंशी को मंगलवार को जमानत दे दी। सोनम का पति राजा रघुवंशी पिछले वर्ष 23 मई को हनीमून के दौरान पूर्वोत्तर राज्य में लापता हो गए थे। बाद में दो जून को प्रदेश के पूर्व खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र में एक जलप्रपात के पास गहरी खाई से राजा का क्षत-विक्षत शव बरामद किया गया था। आरोपी सोनम रघुवंशी को जमानत मिलने के बाद मृतक के परिजनों ने मंगलवार को राज्य पुलिस की कार्यप्रणाली पर अचरज व असंतोष जताया।

हवाई अड्डे पर 1.28 करोड़ का गांजा बरामद

बेंगलुरु। केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बैंकॉक से आए एक यात्री को मंगलवार को पकड़ा गया और उसके पास से 1.28 करोड़ रुपये का 'हाइड्रोपोनिक' गांजा बरामद किया गया।

आरोपी की पहचान उजागर नहीं की गई है और उसे स्वापक औषधि एवं मनः प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है।

आईआरएस अधिकारी से मारपीट मामला

सीबीआई के संयुक्त निदेशक को तीन महीने की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने दो अधिकारियों के खिलाफ एक फैसला सुनाया है। 26 वर्ष पुराने छापेमारी और मारपीट के मामले में तीस हजारी कोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के संयुक्त निदेशक और दिल्ली पुलिस के पूर्व एसीपी को तीन माह की सजा सुनाई है। दिल्ली की एक अदालत ने दो अधिकारियों के खिलाफ एक फैसला सुनाया है। 26 वर्ष पुराने छापेमारी और मारपीट के मामले में तीस हजारी कोर्ट ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के संयुक्त निदेशक और दिल्ली पुलिस के पूर्व एसीपी को तीन माह की सजा सुनाई है। साथ ही दोनों पर 50-50 हजार का जुर्माना भी लगाया है। मामला भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी के आवास में जबरन घुसने और मारपीट से जुड़ी है। दोनों अधिकारियों को दो दशक पहले एक छापेमारी के दौरान भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी के आवास में जबरन घुसने, मारपीट करने के आरोप में तीन महीने की जेल की सजा सुनाई है। न्यायिक मजिस्ट्रेट शशांक नंदन भट्ट ने दोषी ठहराए गए रिटायर्ड पुलिस अधिकारी वी के पांडे और रामनीश के खिलाफ सजा पर दलीलें सुनीं। रामनीश साल 2000 में छापेमारी के समय पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थे। रामनीश इस समय सीबीआई में संयुक्त निदेशक हैं।

यह है मामला

यह मामला 19 अक्टूबर, 2000 की एक घटना से संबंधित है, जब सीबीआई की एक टीम ने पश्चिम विहार में अग्रवाल के आवास पर तलाशी और गिरफ्तारी अभियान चलाया था। अग्रवाल ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने तड़के उनके घर में जबरन प्रवेश किया, उनके साथ मारपीट की और गिरफ्तारी के दौरान कानूनी प्रक्रियाओं का उल्लंघन किया।

भारत माला परियोजना घोटाले पर छापेमारी, पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने कहा-नो कमेंट्स

ईडी के छापे में मिले 67 लाख कैश, 37 किलो चांदी अफसरों से उलझे आरोपी के भाई, केस दर्ज

भारतमाला मुआवजा घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने प्रदेश के पूर्व मंत्री और कुरूद विधायक अजय चंद्राकर के चचेरे भाई भूपेंद्र चंद्राकर, राइस मिल एसोसिएशन के पूर्व प्रदेश कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर एवं गोपाल गांधी के ठिकानों पर जांच पूरी कर ली है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छापा मार कार्रवाई के दौरान नकदी 66.9 लाख रुपए, 37.13 किलोग्राम चांदी की ईंट, अन्य चांदी की वस्तुएं तथा डिजिटल उपकरण सहित विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए हैं। दूसरी ओर इस जांच के दौरान ईडी के अफसरों से उलझने तथा शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने वाले गोपाल गांधी के दोनों भाई सत्यनारायण और जयप्रकाश के खिलाफ अभनपुर थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय ने सोमवार को भारत माला परियोजना मुजावजा घोटाला के मामले में भूपेंद्र चंद्राकर, रोशन चंद्राकर एवं गोपाल गांधी सहित अन्य के अभनपुर, रायपुर, धमतरी और कुरुद स्थित 8 ठिकानों पर छापा मारा था। ईडी ने इस छापेमारी के दौरान इन ठिकानों से क्या-क्या बरामद किए गए, इसका खुलासा प्रेस नोट जारी कर किया है। ईडी ने बताया कि पीएमएलए 2002 की धारा 17 के तहत प्रदेश के अभनपुर, रायपुर, धमतरी और कुरुद में स्थित 8 ठिकानों पर तलाशी ली गई। यह तलाशी भारतमाला योजना के तहत रायपुर-विशाखापत्तनम राजमार्ग परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण में मुआवजा प्राप्त करने के मामले में किया है। तलाशी के दौरान इन ठिकानों से कुल 66.9 लाख रुपए, 37.13 किलोग्राम वजन की चांदी की ईंटें, अन्य चांदी की वस्तुओं के अलावा डिजिटल उपकरण और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए है।

ईडी अफसरों ने बताया कि भारत माला परियोजना मुआवजा घोटाला में ईडी ने तब जांच शुरू की जब इस मामले में एसीबी-ईओडब्ल्यू रायपुर ने जांच करते हुए तत्कालीन एसडीओ (राजस्व) निर्भय साहू और अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत एक एफआईआर दर्ज किया। इस एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि आरोपियों ने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके, रायपुर-विशाखापत्तनम राजमार्ग परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण से संबंधित सरकारी भूमि अभिलेखों में ⏭शेष पेज 4 पर

ईडी की कार्रवाई पर अजय चंद्राकर ने कहा- नो कमेंट्स

भारत माला मुआवजा घोटाला में चचेरे भाई के ठिकानों पर ईडी की जांच को लेकर पूर्व मंत्री एवं विधायक अजय चंद्राकर ने कुछ भी कमेंट्स करने से मना कर दिया।

साजिश रचकर अतिरिक्त मुआवजा पाया

ईडी की जांच में यह भी पता चला कि आरोपियों ने कुछ सरकारी कर्मचारियों और अन्य व्यक्तियों के साथ आपराधिक साजिश रचकर तथा धोखाधड़ी कर अतिरिक्त मुआवजा प्राप्त किया। उन्होंने ऐसा तब किया जब एनएचएआई रायपुर द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 की धारा 3ए के तहत अधिसूचना जारी की जा चुकी थी। इसके बावजूद उन्होंने जानबूझकर भूमि का स्वामित्व हस्तांतरित किया, साथ ही धारा 3डी के तहत अधिसूचना जारी होने से पहले ही भूमि के कई छोटे-छोटे टुकड़े (होल्डिंग्स) बना लिए। जांच में यह भी सामने आया कि संशोधित, हेराफेरी किए गए खसरा अभिलेखों के आधार पर मुआवजा स्वीकृत और वितरित किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप मुआवजे का भुगतान बढ़ा-चढ़ाकर किया है। इस प्रकार प्राप्त अतिरिक्त मुआवजा अपराध की आय की श्रेणी में आता है, जिससे सरकारी खजाने को अनुचित नुकसान हुआ और आरोपियों को अवैध लाभ प्राप्त हुआ।

अचल संपत्ति की रजिस्ट्री हुई सस्ती, उपकर समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने आम नागरिकों को बड़ी राहत देते हुए अचल संपत्ति की रजिस्ट्री पर लगने वाला 0.60 प्रतिशत उपकर समाप्त कर दिया है। छत्तीसगढ़ उपकर (संशोधन) अधिनियम, 2026 की अधिसूचना जारी होने के साथ ही यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में लिया गया यह निर्णय प्रदेश में सुशासन और जनहितकारी नीतियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस पहल के तहत अब अचल संपत्ति के अंतरण विलेखों के पंजीयन पर बाजार मूल्य के आधार पर लगाया जाने वाला 0.60 प्रतिशत उपकर पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि आम जनता के जीवन को सरल और किफायती बनाना है। ऐसे में यह निर्णय पूरी तरह जनहित में लिया गया है। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के आम नागरिकों, किसानों, मध्यमवर्गीय परिवारों तथा संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़े लाखों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। अब संपत्ति पंजीयन की लागत कम होगी और रजिस्ट्री की प्रक्रिया अधिक सुलभ, सरल और किफायती बनेगी।

डिजिटल अरेस्ट के मामले में असम गई थी पुलिस

गुवाहाटी में रायपुर पुलिस ने मारा छापा, वसूली के आरोप में स्थानीय पुलिस ने किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी रायपुर से एक केस के सिलसिले में आरोपियों को पकड़ने के लिए गुवाहाटी गई रायपुर पुलिस की टीम को ही वहां की पुलिस ने वसूली के आरोप में केस दर्ज कर धर लिया। बताया जा रहा है कि रायपुर में डिजिटल अरेस्ट के एक प्रकरण में पुलिस टीम को आरोपियों की गिरफ्तारी करने गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्र भेजा गया था। टीम ने वहां लोकेशन के आधार पर एक मुस्लिम बहुल मोहल्ले में छापा मारकर 3 लोगों को गिरफ्तार भी किया, लेकिन पकड़े गए आरोपियों की ओर से स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई कि रायपुर पुलिस ने डरा-धमका कर उनसे रुपयों की वसूली की है। इस शिकायत पर वहां की पुलिस मौके पर पहुंची और रायपुर पुलिस कर्मियों को अरेस्ट कर थाना ले गई और उनके विरुद्ध केस दर्ज किया। इधर इससे पहले कि रायपुर पुलिस ⏭शेष पेज 4 पर

- आला अधिकारियों से बातचीत के बाद गुवाहाटी पुलिस ने रायपुर पुलिस टीम को छोड़ा

डिजिटल अरेस्ट के मामले में गिरफ्तार करने गई थी टीम

पुलिस अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार टिकरापारा थाना क्षेत्र में एक डिजिटल अरेस्ट की घटना हुई थी, जिसमें साढ़े चार लाख रुपए की ठगी हुई थी। इस घटना की जांच कर रही पुलिस को सुराग मिले थे कि ठगी करने वाले आरोपी गुवाहाटी के दिसपुर थाना क्षेत्र में कहीं रहते हैं। इस सुराग के आधार पर थाना प्रभारी रविंद्र यादव सहित एक एएसआई, हवलदार और अन्य पुलिसकर्मी की टीम को आरोपियों को पकड़ने के लिए रवाना किया गया। सोमवार की रात करीब 9 बजे टीम ने मुस्लिम बहुल क्षेत्र वाले इलाके में जाकर छापा मारा और 3 लोगों को गिरफ्तार किया। इस दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग ढाई लाख रुपए रकम भी जब्ती बनाई गई, ⏭शेष पेज 4 पर

गलतफहमी के कारण केस दर्ज

गलतफहमी के कारण रायपुर पुलिस के खिलाफ दिसपुर गुवाहाटी पुलिस ने केस दर्ज किया है। पूरे मामले की जानकारी देने के बाद उन्हें गलती का अहसास हुआ, जिसके बाद पुलिस कर्मियों को छोड़ दिया, लेकिन केस दर्ज हो चुका है। इस मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने दोबारा टीम को भेजा जाएगा। इसमें स्थानीय पुलिस की मदद ली जाएगी। फिलहाल टीम खाली हाथ लौट रही है।

- संदीप पटेल, पुलिस उपायुक्त, पश्चिम क्षेत्र।

शादी में आया था परिवार

तांदुला नहर में बह गए पिता और पुत्री, एक की बची जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ बालोद

बालोद जिले में तांदुला नहर में नहाते समय पिता, बेटी और एक रिश्तेदार बच्ची तेज बहाव में बह गए। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे ग्राम पीपरछेड़ी में हुई। गोताखोरों ने पिता का शव बरामद कर लिया है, जबकि 12 साल की बेटी की तलाश जारी है। रिश्तेदार बच्ची को मौके पर मौजूद लोगों ने कूदकर बचा लिया। युवक अपने ससुराल पीपरछेड़ी गांव में शादी समारोह में शामिल होने आया था। गोताखोरों ने पिता का शव बरामद कर लिया है, जबकि 12 साल की बेटी की तलाश जारी है। बालोद थाना क्षेत्र के पीपरछेड़ी गांव का यह मामला है।

बांध से छोड़ा गया है पानी

उल्लेखनीय है कि इन दिनों छत्तीसगढ़ के ज्यादातर नहरों में बांधों से पानी छोड़ा गया है। इससे रबी फसलों की सिंचाई और निस्तारी तालाबों को भरने में उपयोग किया जा रहा है। ऐसे में एक परिवार नहाने के दौरान बह गए।

धर्म पूछा, कलमा पढ़ने को कहा फिर दो वॉचमैन पर चाकू से वार

एजेंसी ⏭ मुंबई

पुलिस ने मुंबई के पास मीरा रोड पर 31 साल के एक व्यक्ति को दो सिक्योरिटी गार्ड पर चाकू से हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने गार्ड से उनके धर्म के बारे में पूछा था और यह भी पूछा था कि क्या वे 'कलमा' (इस्लामी आस्था की घोषणा) पढ़ सकते हैं, जिस पर गार्ड ने मना कर दिया था। आरोपी की पहचान जैब जुबैर अंसारी के रूप में हुई है।

- आरोपी जैब जुबैर अंसारी गिरफ्तार, मिला पहलगाम कनेक्शन

वह आईएसआईएस के प्रोपेगैंडा वीडियो देखता था और पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या इस हमले का कोई वैचारिक या चरमपंथी संबंध है। सूत्रों की मानें तो आरोपी के तार पहलगाम हमले से भी जुड़ रहे हैं। पुलिस के अनुसार मीरा रोड के नया नगर इलाके में सोमवार सुबह करीब 4 बजे एक सनसनीखेज घटना हुई।

अमेरिका में की पढ़ाई

जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि अंसारी की ऑनलाइन गतिविधियों में कथित तौर पर आईएसआईएस से जुड़े प्रोपेगैंडा वीडियो बार-बार देखना शामिल था। सूत्रों के मुताबिक, अंसारी ने 2019 तक अमेरिका में पढ़ाई की थी, जिसके बाद वह भारत लौट आया और मीरा रोड पर किराए के मकान में अकेला रहने लगा। जांचकर्ताओं को यह भी पता चला कि उसके मकान मालिक ने कथित तौर पर उसे 5 मई तक किराए का फ्लैट खाली करने के लिए कहा था।

धूप में नंगे पांव चला तीन किमी, मची खलबली तो टूटी अधिकारियों की नींद

बैंक ने मांगा सबूत तो बहन का कंकाल लेकर पहुंचा भाई

एजेंसी ⏭ क्योंझर

ओडिशा से एक परेशान कर देनेवाली खबर सामने आई है। इस घटना ने क्योंझर में ग्रामीण भारत में बैंकिंग जागरूकता और प्रक्रियाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। मामला क्योंझर जिले का है। यहां एक आदिवासी व्यक्ति अपनी मृत बहन का कंकाल बैंक ले आया। उसने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उसे कहा गया था कि वह खाताधारक को खुद बैंक में पेश करे। जबकि अकाउंट होल्डर महिला की मौत हो चुकी थी। यह घटना पटना ब्लॉक में ओडिशा ग्रामीण बैंक की मालीपोसी शाखा में हुई। इस व्यक्ति की पहचान जीतू मुंडा (50) के रूप में हुई है, जो दियानाली गांव का रहने वाला है। वह अपनी दिवंगत बहन के खाते से 20,000 रुपए निकालने की कोशिश कर रहा था। उसकी बहन, कालरा मुंडा ⏭शेष पेज 4 पर

चक्कर काटने पर भी नहीं निकला कैश

बैंक के बार-बार चक्कर लगाने के बाद निराश होकर, जीतू ने एक बेहद कड़ा कदम उठाया। हालात की जानकारी मिलने के बाद पुलिस बैंक पहुंची और तुरंत मामले में हस्तक्षेप किया। पटना पुलिस स्टेशन के आईआईसी किरण प्रसाद साहू के अनुसार, जीतू को बैंकिंग की बुनियादी बातों की जानकारी नहीं थी।

आदिवासी होने के नाते नहीं बना बर्थ सर्टिफिकेट

पुलिस ने बताया कि जीतू एक आदिवासी है। उसकी बहन के अकाउंट में बीस हजार रुपए थे। उनकी शादी नहीं हुई थी, वह जीतू के पास ही रहती थीं। जब उनका निधन हो गया तो वह बैंक में रकम निकालने गया। बैंकवालों ने खाताधारक को लाने की बात कही। जीतू ने कहा कि उनका निधन हो गया है लेकिन बैंकवालों ने उससे डेथ सर्टिफिकेट और उत्तराधिकार के कागज मांग लिए। चूंकि जीतू एक आदिवासी है इसलिए उसके पास अपनी बहन का न तो मृत्यु प्रमाण पत्र था और न ही उत्तराधिकार के कागज।

क्या बोले अफसर

अधिकारियों ने जीतू को आश्वासन दिया कि वे उचित कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से, मृत खाताधारक के खाते से पैसे निकालने की प्रक्रिया पूरी करने में उसकी मदद करेंगे। घटना के बाद, पुलिस की मौजूदगी में कंकाल को पूरे सम्मान के साथ दोबारा दफना दिया गया। ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर मानस दंडपत ने कहा कि यह मामला पहले उनके संज्ञान में नहीं लाया गया था। मुझे आज ही इस बारे में पता चला। हम देखेंगे कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए क्या किया जा सकता है। प्रशासन ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियमों के अनुसार, बिना किसी और देरी के जीतू को पैसे मिल जाएं।

चिंतन

धार्मिक कट्टरता समाज के लिए गंभीर चुनौती

पर्यावरण

निरंजन देव भारद्वाज

देश के सामने आतंक और कट्टरता का चेहरा तेजी से बदल रहा है। जो खतरा कभी सीमित इलाकों, खासकर जम्मू-कश्मीर तक माना जाता था, वह अब महानगरों तक फैलता नजर आ रहा है। मुंबई की हालिया घटना ने साफ कर दिया है कि 'लोन वुल्फ' हमले, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पनपती कट्टर सोच और धर्म के नाम पर हिंसा अब हर शहर के लिए चुनौती बन चुके हैं। संगठित नेटवर्क से हटकर जब व्यक्ति खुद ही विचारधारा को हथियार बना ले, तो यह साइलेंट आतंक और भी खतरनाक हो जाता है। मुंबई के मीरा रोड इलाके में दो सिक्योरिटी गार्ड्स पर धर्म पूछकर किया गया हमला इसी बदलते खतरे का उदाहरण है। बताया जा रहा है कि हमलावर 31 साल का जैब जुबेर अंसारी अंडर कंस्ट्रक्शन बिल्डिंग के पास दो सिक्योरिटी गार्ड, राजकुमार मिश्रा और सुब्रतो रमेश सेन के पास पहुंचा और मस्जिद का रास्ता पूछा। कुछ समय बाद वह दोबारा लौटा। इसके बाद एक गार्ड से धर्म पूछने के बाद अचानक चाकू से हमला कर दिया। इसके बाद वह कैबिन में घुसा और दूसरे गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा। जब गार्ड ऐसा नहीं कर पाया, तो उस पर भी हमला कर दिया। पिछले साल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में भी आतंकियों ने पर्यटकों से धर्म पूछकर हमला किया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। वहीं, धर्मांतरण के मामले महाराष्ट्र के अमरावती और नासिक में भी सामने आए हैं। नासिक के टीसीएस उत्पीड़न मामले में मुख्य आरोपी निदा खान ने महिला कर्मचारी पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया था। पीड़ित के मोबाइल में ऐसे ऐप्स भी इंस्टॉल कराए गए, जिससे उसे धर्म परिवर्तन के लिए उकसाया जा सके। अमरावती में भी करीब 180 लड़कियों के वीडियो बनाकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने का मामला सामने आया है। ये घटनाएं केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस मानसिकता की झलक हैं, जिसमें धर्म को पहचान और हिंसा का औजार बना दिया जाता है। पहलगाम जैसे हमले इस बात का संकेत रहे हैं कि कट्टरता जब चरम पर पहुंचती है तो वह इंसानियत की हर सीमा पार कर जाती है। हालांकि, इस मुद्दे पर एक जरूरी सावधानी भी उतनी ही अहम है। अलग-अलग घटनाओं को जोड़कर पूरे समाज या किसी एक समुदाय के खिलाफ निष्कर्ष निकालना न केवल गलत है, बल्कि खतरनाक भी हो सकता है। कानून का सिद्धांत स्पष्ट है। अपराधी व्यक्ति होता है, समुदाय नहीं। यदि हम इस रेखा को पार करते हैं, तो हम अनजाने में उसी विभाजनकारी सोच को बढ़ावा देते हैं, जिसके खिलाफ हमें खड़ा होना चाहिए। कट्टरता का असली चेहरा धर्म नहीं, बल्कि विकृत सोच है। यह सोच इंटरनेट, सोशल मीडिया और बंद मानसिकता के जरिए फैलती है। यही कारण है कि "लोन वुल्फ" हमले आज सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। क्योंकि इनका कोई स्पष्ट नेटवर्क नहीं होता, न ही कोई पूर्व चेतावनी। अब सवाल यह है कि इससे निपटा कैसे जाए? जवाब केवल सख्ती में नहीं, बल्कि संतुलित रणनीति में है। सुरक्षा एजेंसियों को डिजिटल निगरानी, खुफिया तंत्र और त्वरित कार्रवाई को मजबूत करना होगा, वहीं समाज को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। परिवार, शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संस्थाओं को युवाओं को सही दिशा देने, संवाद बढ़ाने और कट्टर विचारधाराओं से बचाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। सख्त कानून, सतर्क समाज और संतुलित सोच इन्हीं तीन स्तंभों पर इस चुनौती का समाधान टिका है। तभी हम एक सुरक्षित, समावेशी और मजबूत समाज की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

देश में जलवायु आपातकाल की दस्तक

> देश के विशाल भूभाग पर सूरज का कहर इस कदर टूट रहा है कि दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों की सूची में से 95 अकेले भारत के हैं। दिल्ली की तपती सड़कों से लेकर ओडिशा के तटीय उमस तक, पारा 45-47 डिग्री सेल्सियस के स्तर को चुनौती दे रहा है। यह अब केवल 'लू' या मौसम का सामान्य बदलाव नहीं है; यह उस पारिस्थितिक असंतुलन का चरम विस्फोट है, जिसे हमने दशकों तक प्रगति के शोर में अनदेखा किया। आज भारत की झुलसाती हवाएं चीख-चीख कर कह रही हैं कि हम जलवायु परिवर्तन के किसी भविष्य की आशंका में नहीं, बल्कि उसके एक अत्यंत क्रूर और जानलेवा वर्तमान के बीच खड़े हैं। हकीकत यह है कि यह तापीय संकट अब सीधे जीवन-हानि में बदल चुका है।

अप्रैल का यह महीना भारत के लिए केवल एक कैलेंडर का पन्ना नहीं, बल्कि एक अस्तित्वगत संकट की गूंज बन गया है। देश के विशाल भूभाग पर सूरज का कहर इस कदर टूट रहा है कि दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों की सूची में से 95 अकेले भारत के हैं। दिल्ली की तपती सड़कों से लेकर ओडिशा के तटीय उमस तक, पारा 45-47 डिग्री सेल्सियस के स्तर को चुनौती दे रहा है। यह अब केवल 'लू' या मौसम का सामान्य बदलाव नहीं है; यह उस पारिस्थितिक असंतुलन का चरम विस्फोट है, जिसे हमने दशकों तक प्रगति के शोर में अनदेखा किया। आज भारत की झुलसाती हवाएं चीख-चीख कर कह रही हैं कि हम जलवायु परिवर्तन के किसी भविष्य की आशंका में नहीं, बल्कि उसके एक अत्यंत क्रूर और जानलेवा वर्तमान के बीच खड़े हैं। इसी "वर्तमान" की सबसे कठोर हकीकत यह है कि यह तापीय संकट अब सीधे जीवन-हानि में बदल चुका है। हीटवेव आज भारत की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में शामिल हो चुकी है, जिसके चलते 2010 के बाद से अब तक 46,000 से अधिक संदिग्ध मौतें दर्ज की गई हैं। इस भीषण गर्मी का सबसे अधिक प्रभाव उन श्रमिकों पर पड़ता है जो खुले वातावरण में निर्माण स्थलों, सड़कों और खेतों में काम करने को मजबूर हैं, जिससे उनकी आजीविका और स्वास्थ्य गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं।

यह संकट हमारी आधुनिक जीवनशैली और प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर एक कड़ा प्रहार है। जहां एक ओर सरकारी फाइलों में बढ़ते 'ग्रीन कवर' के आंकड़े हमें सुकून देने की कोशिश करते हैं, वहीं जमीन पर फैलते कंक्रीट के जंगलों ने हमारे शहरों को 'धधकते तंदूर' में तब्दील कर दिया है। यह आपदा समाज की गहरी आर्थिक खाई को भी उजागर करती है, जहां 'ठंडी हवा' अब एक बुनियादी अधिकार नहीं बल्कि अमीरों की विलासिता बन गई है। बहुसंख्यक आबादी इस तापीय अन्याय का शिकार होकर अपनी जान दांव पर लगा रही है। इस असामान्य गर्मी का सबसे गहरा असर केवल मौसम के आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सीधे आम जनजीवन, कृषि व्यवस्था और शहरी बुनियादी ढांचे पर दिखाई देने लगा है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा, श्रमिकों की घटती कार्यक्षमता, पानी की बढ़ती मांग और बिजली की रिकॉर्ड खपत-ये सभी संकेत बताते हैं कि शहर और गांव दोनों ही इस तापीय दबाव के सामने असहज स्थिति में पहुंच चुके हैं। इस पृष्ठभूमि में वैश्विक तापवृद्धि और जलवायु परिवर्तन की भूमिका और भी स्पष्ट होकर सामने आती है। बढ़ते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, अनियंत्रित शहरीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने वायुमंडलीय संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है, जिसका सीधा परिणाम इस तरह की चरम मौसमीय घटनाओं के रूप में दिख रहा है। खेतों में खड़ी फसलें भी तेज गर्म हवाओं और नमी की कमी के कारण तनाव में हैं, जिससे आने वाले समय में खाद्य सुरक्षा पर भी प्रश्नचिह्न गहराता दिखाई देता है। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि हीट वेव अब केवल "मौसम की घटना" नहीं, बल्कि एक गहरे होते जलवायु संकट का परिणाम है और इसके पीछे हमारी नीतिगत, व्यवहारिक और विकास संबंधी विफलताओं की भूमिका को समझना अब और भी आवश्यक हो गया है। भारतीय शहरों में गर्मी का बढ़ता

प्रकोप केवल बढ़ते तापमान का नतीजा नहीं है, बल्कि 'अर्बन हीट आइलैंड' (शहरी ऊष्मा द्वीप प्रभाव) के उस प्रभाव का परिणाम है जिसने महानगरों को जीते-जागते तंदूर में बदल दिया है। जब हम शहरों को कंक्रीट, डामर और कांच की ऊंची इमारतों से पाट देते हैं, तो ये सतहें दिन भर सूरज की गर्मी को सोखती हैं। जहां ग्रामीण इलाकों में पेड़ और मिट्टी वाष्पीकरण के जरिए खुद को ठंडा रखते हैं, वहीं हमारे शहर इस गर्मी को कैद कर लेते हैं। इसका सबसे भयावह असर रात के समय दिखता है, जब सूरज ढलने के बाद भी कंक्रीट की ये दीवारें और सड़कें उस कैद की गई गर्मी को धीरे-धीरे बाहर छोड़ती हैं, जिससे रात का तापमान भी सामान्य से ज्यादा बना रहता है। यह 'थर्मल ट्रैप' शहरवासियों को चौबीसों घंटे एक असहज अंगीठी में झोंक देता है।

विडंबना यह है कि इस तपिश को कम करने का प्राकृतिक समाधान यानी हमारे 'पेड़', विकास की अंधी दौड़ में सबसे पहले काटे जा रहे हैं। फ्लाईओवर्स, मेट्रो लाइन्स और चौड़ी सड़कों के नाम पर शहरों के उन पुराने और घने पेड़ों की बलि दी जा रही है जो दशकों से हमारे 'नेचुरल एयर कंडीशनर' का काम कर रहे थे। इसका सबसे ज्वलंत और दुखद उदाहरण नासिक में देखने को मिलता है, 250 साल पुराने बरगद और पीपल के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चला दी गई। ये केवल पेड़ नहीं थे, बल्कि उस क्षेत्र की जैव-विविधता और शीतलता के संरक्षक थे। एक परिपक्व पेड़ अपने आसपास के वातावरण को 2 से 4 डिग्री तक ठंडा रख सकता है, लेकिन 'विकास' की कागजी योजनाएं अक्सर एक पुराने घने पेड़ के बदले दस नए छोटे पौधे लगाने का झांसा देती हैं। हकीकत यह है कि एक पुराना बरगद या पीपल का पेड़ जितना कार्बन सोखता है और ठंडक देता है, उसकी जगह ये नए छोटे पौधे अगले बीस साल तक नहीं ले सकते। जहां पहले घनी हरियाली लू के थपेड़ों को फिल्टर करती थी, अब वहां केवल कंक्रीट की सतहें हैं जो गर्मी को कई गुना बढ़ा देती हैं। यह केवल हरियाली का नुकसान नहीं है, बल्कि एक सुविचारित पर्यावरणीय आत्महत्या है। भारत की इस जलती हुई हकीकत को बदलने के लिए हमें अपनी रणनीतियों को कागजों से बाहर निकालना होगा। सबसे पहले, हमें 'हीट एक्शन प्लान' की बुनियादी खामियों को सुधारना होगा। वर्तमान में भारत के अधिकांश 'हीट एक्शन प्लान' केवल 'रिएक्टिव' हैं यानी वे केवल तापमान बढ़ने पर अलर्ट जारी करते हैं या पानी के स्टॉल लगवाते हैं। असल में, हमें 'प्रोएक्टिव' 'हीट एक्शन प्लान' की जरूरत है, जो सर्दी के मौसम से ही काम शुरू कर दे, जैसे कि सड़कों को सफेद रिफ्लेक्टिव पेंट से रंगना और शहरों में जल निकायों को पुनर्जीवित करना। 2026 की यह गर्मी हमें यह समझने पर मजबूर करती है कि केवल वाटर कूलर लगाने या रेड अलर्ट जारी करने से हम सुरक्षित नहीं होंगे। हमें भारत में भी 'हीटवेव' को 'अधिसूचित आपदा' घोषित करना होगा ताकि इसके समाधान के लिए कानूनी जवाबदेही तय हो सके। हमें नासिक और अरावली जैसी गलतियों से सीखना होगा कि पुराने पेड़ों को काटना भविष्य की पीढ़ियों की 'सांसों और शीतलता' की चोरी करने जैसा है।

अंततः, जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है। एक नागरिक के रूप में हमें अपनी जीवनशैली और मतदान के मुद्दों में 'पर्यावरण' को प्राथमिकता देनी होगी। जब तक हम अपने घरों के सामने टाइल्स लगाने के बजाय मिट्टी और पेड़ को जगह नहीं देंगे, और जब तक हमारी नीतियां 'विकास' को 'विनाश' से अलग नहीं करेंगी, तब तक हम इसी तरह हर साल और भी भीषण अंगीठियों में झुलसते रहेंगे। समय रेत की तरह फिसल रहा है; या तो हम आज 'ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर' में निवेश करें, या फिर कल एक जलते हुए भारत के लिए तैयार रहें।

(लेखक सलाहकार राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नृत्य दिवस विशेष

श्वेता गोयल

शब्दहीन भावों से विश्व को जोड़ने वाली शक्ति है नृत्य

मानव सभ्यता की सबसे पुरानी अभिव्यक्तियों में से एक है 'नृत्य'। जब शब्द अस्तित्व में नहीं थे, तब शरीर की गति ही संवाद का माध्यम थी। समय के साथ नृत्य ने भिन्न-भिन्न संस्कृतियों में अनेक रूप धारण किए और आज यह विश्वभर में एक जीवित कला के रूप में स्थापित है। नृत्य अब वैश्विक संदर्भ में केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक कूटनीति का प्रभावी साधन बन चुका है। नवीनतम 'विश्व नृत्य रिपोर्ट' के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नृत्य उद्योग का आकार 45 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया है। वर्चुअल नृत्य कार्यक्रमों में वर्ष 2020 के मुकाबले 2025 तक 60 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई है। नृत्य चिकित्सा को अब मानसिक स्वास्थ्य उपचारों में सम्मिलित किया जा रहा है। अनेक देशों में चिकित्सक अवसाद, चिंता और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याओं के उपचार में नृत्य आधारित विधियों का उपयोग किया जा रहा है। विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं ने भी नृत्य को शिक्षा के एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में स्वीकार किया है, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सृजनात्मकता का विकास होता है। नृत्य की विविधता, उसकी समावेशिता और उसके सामाजिक महत्व का उत्सव मनाने के लिए प्रत्येक वर्ष 29 अप्रैल को 'अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस नृत्य को एक साझा मानव धरोहर के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसमें भौगोलिक सीमाओं, जाति, धर्म, भाषा या राजनीतिक विचारधाराओं की कोई बाधा नहीं होती। इस अवसर पर करीब 170 देशों में एक साथ नृत्य महोत्सवों, कार्यशालाओं और सार्वजनिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाने की शुरुआत एक गैर सरकारी संगठन 'अंतरराष्ट्रीय रंगमंच संस्थान' (आईटीआई) की 'अंतरराष्ट्रीय नृत्य समिति' द्वारा 1982 में की गई थी, जो 'यूनेस्को' का हिस्सा है। यह दिवस नृत्य के जादूगर माने जाने वाले जीन जॉर्जेस नोवेरे को समर्पित है। 'फादर ऑफ बैले' के नाम से विख्यात जीन जॉर्जेस नोवेरे एक सुप्रसिद्ध बैले मास्टर थे, जिनका जन्म 29 अप्रैल 1727 को हुआ था। पहली बार 1982 में आईटीआई की नृत्य समिति ने उनके जन्मदिन 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस मनाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी, जिसके बाद से यह दिवस हर साल 29 अप्रैल को मनाया जाने लगा। जॉर्जेस नोवेरे ने नृत्य पर 'लेटर्स ऑन द डांस' नामक एक पुस्तक भी लिखी थी, जिसमें नृत्य से जुड़ी एक-एक चीज मौजूद हैं। इस पुस्तक के बारे में कहा जाता है कि इसे पढ़कर कोई भी नृत्य करना सीख सकता है। नृत्य परंपरा की दृष्टि से भारत विश्व के सबसे समृद्ध देशों में से एक है। भारतीय नृत्य हजारों वर्षों से चली आ रही एक जीवंत और विकसित परंपरा है, जिसकी जड़ें वेदों, पुराणों, महाकाव्यों और शास्त्रों में गहराई से समाहित हैं। भारतीय नृत्य की विशिष्टता उसकी आध्यात्मिक गहराई, दार्शनिकता और सामाजिक प्रतिबद्धता में निहित है। भारतीय नृत्य केवल सौंदर्य प्रदर्शन नहीं बल्कि आध्यात्मिक साधना का माध्यम है। नाट्यशास्त्र भारतीय नृत्य की बुनियादी संरचना और सिद्धांतों का आधार है। इस ग्रंथ में नृत्य, नाट्य और संगीत के तत्वों का अत्यंत वैज्ञानिक और विशद विवरण दिया गया है। भारत में नृत्य की विविधता उसकी सांस्कृतिक विविधता की तरह अद्भुत है। प्रत्येक क्षेत्र, प्रत्येक राज्य, यहां तक कि कई गांवों की भी अपनी विशिष्ट नृत्य परंपराएं हैं। भारत के शास्त्रीय नृत्य रूप जैसे भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, मोहिनीअट्टम, कथकली, मणिपुरी न केवल देश में बल्कि विदेशों में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं। इन सभी शास्त्रीय नृत्य शैलियों में अंग संचालन, हस्तमुद्राएं, नेत्र भाव, पद संचालन और ताल की अत्यंत जटिल विधियां हैं, जिन्हें साधना द्वारा वर्षों में सिद्ध किया जाता है। भारतीय शास्त्रीय नृत्य का एक प्रमुख उद्देश्य जीवन के रहस्यों को भावों के माध्यम से व्यक्त करना है। आज जब दुनिया विभाजन, संघर्ष और असहिष्णुता के संकट से गुजर रही है, तब नृत्य एक ऐसा माध्यम बन सकता है, जो दिलों को जोड़ने, घावों को भरने और मानवता को एक सूत्र में पिरोने की क्षमता रखता है। भारतीय नृत्य, जिसमें प्रकृति, भक्ति, प्रेम, वीरता और करुणा के विविध आयाम समाहित हैं, वैश्विक मंच पर इस उम्मीद का प्रतीक बनकर उभर रहा है कि कला के माध्यम से हम एक बेहतर, अधिक सहिष्णु और सुंदर विश्व का निर्माण कर सकते हैं। नृत्य आत्मा से आत्मा तक एक अनुभव है, एक संवाद है, एक यात्रा है। भारत की नृत्य परंपरा इस यात्रा की एक अनंत धारा है, जो सदियों से बह रही है और भविष्य में भी मानवता को दिशा देती रहेगी।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कृष्ण योग के सूत्र

संकलित

दर्शन

भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार सिर्फ शरीर का नियमन ही योग नहीं है, बल्कि आत्मा के साक्षात्कार के लिए किया गया हरेक प्रयास योग की श्रेणी में आता है। इसी कारण श्रीकृष्ण को योगेश्वर कहा जाता है । वे जनक हैं योग के, धाराएं बहती हैं उनसे योग की, बस जिसको जो आयाम स्पर्श करता है, वह उस आयाम पर अग्रसर हो जाता है। आप जिस योग को योग मानते है, वह पतंजलि योग है। पतंजलि सबसे बड़े वैज्ञानिक है अंतर्जगत के। उनकी पहुंच एक वैज्ञानिक मन की है। उनके पास वैज्ञानिक मस्तिष्क है, लेकिन उनकी यात्रा भीतरी है। किंतु हमारे कृष्ण योगेश्वर हैं । वे दृष्टि देते हैं, स्वतंत्रता देते है, प्रेम और करुणा से आपको भरते है। वे जिससे आपको भरते हैं, वे वह स्वयं ही हैं, इसीलिए कृष्ण का योग धारा बन जाता है, आपसे आपको मिलता है और एक दिन केवल वही ही बचते हैं, आप उनमें मिल जाते हैं। कुछ कृष्ण के योग के पहलू जो केवल हम श्रवण करते हैं, पढ़ते हैं, पर वे सूत्र हैं कृष्ण-योग के 'तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम' अर्थात इससे समत्वबुद्धि योग के लिए ही चेष्टा करो, यह समत्वबुद्धि-रूप योग ही कर्मों में चतुरता है। अर्थात कर्मों में कुशलता को ही योग कहते है। कृष्ण तीन शब्दों का प्रयोग करते हैं-अकर्म, कर्म और विकर्म।

तुलसीदास जी ने स्त्री को पुरुष में बदला

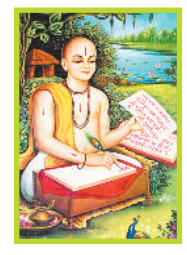

संकलित

प्रेरणा

चरवारी के ठाकुर की लड़की जो कि बहुत ही सुन्दरी थी। इसके माता पिता को बहुत प्रयास करने पर पुत्र प्राप्त नहीं हुआ, पुत्री हो गयी। उन्होंने सबसे यह बात छुपाकर रखी कि हमें पुत्री हुई है। उन्होंने बचपन से ही उस पुत्री को पुरुष जैसे कपड़े पहनाएं, बोलचाल भी लड़के जैसे सीखा रखी थी। जब विवाह का समय आया तो माँ बाप ने सत्य बात किसी से कही नहीं, क्योंकि उनकी इज्जत पानी में मिल जाती। अब उनकी पुत्री जीसे उन्होंने पुरुष की तरह बनवा रखा था, उसका विवाह एक स्त्री के साथ हो गया। विवाह के बाद सच सामने आ गया कि यह तो स्त्री है, ना कि कोई पुरुष। परंतु विवाह हो चुका था, लोग करते भी क्या? स्त्री का विवाह स्त्री से हो गया। एक दिन जब गोस्वामी जी उधर से निकले, तब लोगों ने उन्हें घेर लिया और प्रार्थना की कि इस कन्या की रक्षा कीजिये। गोस्वामी जी ने श्री रामचरितमानस का नवाह पाठ किया और वह स्त्री सें पुरुष बन गयी। यह देखकर गोस्वामी जी का शरीर पुलकित हो गया और उनके मुंह से अतर्कित ही जय जय सीताराम निकल गया । परिवार को साथ लोग भी खुश हो गए। परिवार ने गोस्वामी जी का बहुत उपकार माना, जिन्होंने उनकी पुत्री को लड़का बना दिया । परिवार की भी बात रह गई।

अंतर्मन

आज की पाती

मां के दूध में भी मिलावट

मां का दूध शिशु के लिए प्रकृति का सबसे सुरक्षित और संपूर्ण आहार माना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जीवन के शुरुआती छह महीनों तक केवल स्तनपान की सिफारिश करता है, क्योंकि यह न सिर्फ पोषण देता है बल्कि रोगों से सुरक्षा भी प्रदान करता है। लेकिन हाल के वर्षों में वैज्ञानिक शोधों ने एक नई चिंता को जन्म दिया है- मां के दूध में माइक्रोप्लास्टिक, कीटनाशकों, भारी धातुओं और यहां तक कि यूरेनियम जैसे रेडियोधर्मी तत्वों की मौजूदगी। यह स्थिति केवल भारत तक सीमित नहीं है। 2022 में इटली और नीदरलैंड में किए गए अध्ययनों में पहली बार मानव ब्रेस्टमिल्क में माइक्रोप्लास्टिक कणों का पता चला। ये सूक्ष्म प्लास्टिक कण हमारे खाने, पानी और हवा के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं। - *दिवाकर राजवंशी, कांकेर*

ट्रेंड

'ऑपरेशन सिंदूर'

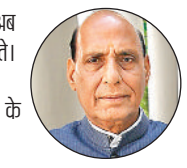

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान हमने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद के केंद्र अब किसी भी तरह से सजा से बच नहीं सकते। यह अभियान आतंकवाद और उसके समर्थकों के प्रति हमारे 'शून्य सहिष्णुता' के दृष्टिकोण का प्रमाण है।
-**राजनाथ सिंह,** रक्षामंत्री

मुक्त व्यापार समझौता

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता हमारे किसानों, युवाओं, लघु एवं मध्यम उद्यमों और नवप्रवर्तकों के लिए नए अवसर खोलेगा, साथ ही भारत को 'विकसित भारत' की ओर अग्रसर होने में गति प्रदान करेगा। -**योगी आदित्यनाथ,** सीएम, उप्र

ममता का बयान

ममता दीदी ने कहा है कि बंगाल के हिंदू एक विशेष समुदाय से संबंधित मामलों में उनकी वजह से अधिक सुरक्षित हैं। दीदी का यह बयान न केवल चिंताजनक है, बल्कि बंगाल के भविष्य के लिए खतरनाक, समाज में फूट डालने वाला और सांप्रदायिक भी है।
- **हिमंता बिस्वा सरमा,** सीएम, असम

बिहारी होने का 'अपराध'

भाजपा सरकार में "बिहारी होना" सबसे बड़ा अपराध और राजद्रोह बन गया है। नई दिल्ली में खगड़िया के युवक पांडव कुमार की मात्र इसलिए गोली मारकर हत्या कर दी गई क्योंकि वह 'बिहारी' था। बिहारी होने के 'अपराध' के लिए उसका दोस्त कृष्णा जीवन और मृत्यु के बीच जूझ रहा है।
- **तेजस्वी यादव,** पूर्व डिप्टी सीएम, बिहार

करंट अफेयर

पहले चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार चयन मंडल में भारतवंशी

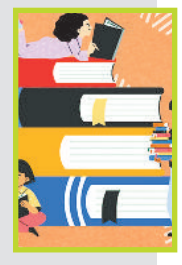

पहले चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार 2027 के चयन मंडल की मंगलवार को घोषणा की गई, जिसमें उत्तरी लंदन में बच्चों की किताब दुकान संचालित करने वाली एक भारतवंशी विक्रेता को भी शामिल किया गया है। मसवेल हिल स्थित पुरस्कृत 'बच्चों की किताब दुकान' की मालिक संचिता बसु डे सरकार, लेखक फ्रैंक कॉटरेल-बॉयस और अभिनेत्री लॉली एडेफोपे के साथ मिलकर आठ से बारह वर्ष की आयु के बच्चों के लिए समकालीन सर्वश्रेष्ठ कथा साहित्य का चयन करेंगी। वार्षिक बुकर पुरस्कार की तरह ही, बच्चों के लिए इस साहित्यिक पुरस्कार के विजेता को 50,000 पाउंड की राशि दी जाएगी और अंतिम सूची में चयनित लेखकों को 2,500 पाउंड मिलेंगे। पहला चिल्ड्रन बुकर पुरस्कार दो फरवरी 2027 को उस कृति को दिया जाएगा, जो अंग्रेजी में लिखी गई हो या अंग्रेजी में अनूदित हो और जिसका प्रकाशन ब्रिटेन और/या आयरलैंड में हुआ हो। 'साउथ एशियन इलस्ट्रेशन एंड लिटरेचर फेस्टिवल' की सह-संस्थापक संचिता बसु डे सरकार ने कहा, ' 'यह मेरे लिए उन सभी चीजों को एक साथ लेकर आता है जिन्हें मैं पसंद करती हूं- ढेर सारी बच्चों की किताबें पढ़ना, उनके बारे में कुछ बेहद प्रतिभाशाली लोगों के साथ चर्चा करना, और इन किताबों को देशभर के बच्चों तक पहुंचाना ताकि हम इस बातचीत को आगे बढ़ा सकें।

ऑफ बीट

पानी गीला क्यों होता है?

बारिश के मौसम में जब आप बिना छतरी के भीग जाते हैं, तो गीलापन महसूस होता है। लेकिन सवाल यह है कि पानी आखिर गीला क्यों होता है? वायुमंडलीय वैज्ञानिकों के अनुसार, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के अणुओं से बने पानी की यह विशेषता वास्तव में उसके अणुओं के आपसी व्यवहार और आसपास की चीजों के साथ उनकी प्रतिक्रिया पर निर्भर करती है। वैज्ञानिक बताते हैं कि पानी के अणु एक-दूसरे और अन्य पदार्थों से बहुत तेजी से आकर्षित होते हैं। इस गुण को आसंजन (एडहेज़न) कहा जाता है। पानी के अणु ध्रुवीय होते हैं, यानी उनके एक छोर पर हल्का धनात्मक और दूसरे छोर पर हल्का ऋणात्मक आवेश होता है। यही कारण है कि वे त्वचा, कपड़े और कांच जैसी सतहों से आसानी से चिपक जाते हैं। जब पानी किसी सतह के संपर्क में आता है, तो वह उस पर फैल जाता है और मजबूती से चिपक जाता है। इसी वजह से हमें लगता है कि कोई वस्तु गीली है। वैज्ञानिकों के अनुसार, गीलापन इस बात पर निर्भर करता है कि कोई द्रव किसी सतह के साथ कितनी अच्छी तरह संपर्क बनाए रखता है। इसके विपरीत, पारा यानी मरकरी जैसे धातु में सतहों से चिपकने की क्षमता बहुत कम होती है क्योंकि उसके अणु आपस में अधिक मजबूती से जुड़े रहते हैं। इसे संसंजन/(कोहेज़न) कहा जाता है। गीलेपन का एक और महत्वपूर्ण पहलू ठंडक का एहसास है। जब पानी या कोई द्रव वाष्पित होता है, तो उसे ऊर्जा की आवश्यकता होती है, जिसे वह अपने आसपास की गर्मी से लेता है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

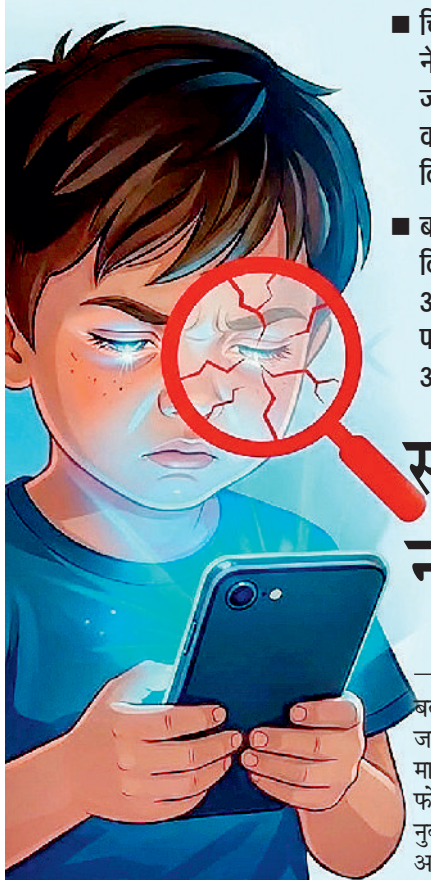

- चिकित्सा विशेषज्ञों ने जताई चिंता, ज्यादा स्क्रीन टाइम का सेहत पर विपरीत असर
- बड़ों की तुलना में किशोर वर्ग ज्यादा आदी, ऑनलाइन पढ़ाई से बदली आदत

स्मार्ट फोन...लत बेहद बुरी, अस्पतालों मे थोक में मामले, आंखों नसों, हड्डियों के साथ मानसिक अवसाद का भी बड़ा कारण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बदलती लाइफ स्टाइल के बीच स्मार्टफोन हमारी जरूरत नहीं कमजोरी बनने लगा है। ऑनलाइन माध्यम से जानकारियों को समेटने वाला यह फोन सुविधा के बजाए सेहत के लिए नुकसानदायक होने लगा है। ज्यादा स्क्रीन टाइम आंखों के साथ न्यूरोलॉजिकल और हड्डियों से संबंधित समस्याएं भी पैदा कर रहा है। इसकी परफेक्ट दुनिया मानसिक अवसाद का कारण भी बन रही है। अस्पतालों की ओपीडी में इससे जुड़े थोक मामले चिंता का कारण बन गए हैं। चिकित्सा विशेषज्ञ मोबाइल (स्मार्ट फोन) के निजी जीवन में बढ़ रहे हस्तक्षेप पर चिंता जता रहे हैं। उनका तर्क है कि हर वर्ग के लोगों को स्क्रीन टाइम कम करने की जरूरत है। मोबाइल की लत बड़ों की तुलना में किशोरावस्था के लोगों को ⏭शेष पेज 4 पर

अलग खबर

चिकित्सकों का कहना

रील और रियल लाइफ में फर्क समझें

मनोस्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. डीएस परिहार के मुताबिक लोगों को रील और रियल लाइफ में फर्क करना आवश्यक है। लोग सोशल मीडिया में मिलने वाले लाइक को अपना दोस्त मानने लगते हैं, मगर ऐसा नहीं है। मोबाइल का उपयोग ⏭शेष पेज 4 पर

पैदा होती है हड्डियों की समस्या

आंबेडकर अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. राजेन्द्र अहिरे के अनुसार मोबाइल देखने के लिए कंधे और गर्दन को झुकाना पड़ता है। लगातार उपयोग के दौरान एक ही मुद्रा में बैठे रहने की वजह से हड्डियों की समस्या पैदा कर सकता है। ⏭शेष पेज 4 पर

अनिद्रा और माइग्रेन जैसी समस्या

डीके अस्पताल के न्यूरो सर्जन डा. राजीव साहू के मुताबिक स्मार्ट फोन से निकलने वाली लाइन नींद लाने वाले हार्मोन के स्तर को बिगाड़ देती है। ज्यादा देर तक स्क्रीन देखने से दिमाग शांत नहीं हो पाता, जिससे सिरदर्द, माइग्रेन और ⏭शेष पेज 4 पर

कंप्यूटर विजन सिंड्रोम की परेशानी

नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. दिनेश मिश्रा ने अनुसार ज्यादा स्क्रीन टाइमिंग की वजह से कंप्यूटर विजन सिंड्रोम की परेशानी होती है। इससे आंखों में सूखापन, जलन, सिरदर्द, नेत्र कमजोर होने की समस्या होती है। आंखों की समस्या लेकर आने वाले ⏭शेष पेज 4 पर

खबर संक्षेप

अमृत भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच रेल कनेक्टिविटी को बढ़ावा देते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इनमें वाराणसी से पुणे (हडपसर) और अयोध्या से मुंबई (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) के बीच ट्रेन शामिल हैं। यह कदम धार्मिक पर्यटन और आर्थिक गतिशीलता दोनों के लिए महत्वपूर्ण है।

चिकन करी विवाद पर पति की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना के कामारेड्डी कस्बे में 'चिकन करी' न बनाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक महिला ने अपने पति की कथित तौर हत्या कर दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 25 अप्रैल की रात महिला (28) ने अपने घर में अपने पति (35) पर हंसिये से हमला किया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। महिला का पति एक कबाड़ विक्रेता था। व्यक्ति शराब का आदी था और अपनी पत्नी को 'परेशान' करता था।

कार दुर्घटना में चार की मौत, दो घायल

विजयनगरम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर तेज गति से जा रही एक कार से कुचल कर दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस हादसे में कार में सवार दो लोगों की भी मौत हो गई। यह हादसा सोमवार देर रात उस समय हुआ, जब श्रीकाकुलम से विशाखापत्तनम की ओर जा रही कार कथित रूप से तेज गति के कारण अनियंत्रित हो गई।

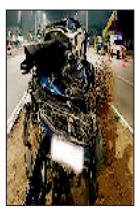

भीड़ ने व्यवसायी को पीट-पीट कर मार डाला

वाराणसी। वाराणसी के फूलपुर थानाक्षेत्र स्थित घमहापुर गांव में एक गुस्सायी भीड़ ने 38 वर्षीय व्यवसायी को कथित तौर पर पीट-पीट कर मार डाला। इस संबंध में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के संबंध में आठ लोगों के खिलाफ नामजद और सात अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। रविवार रात जब मनीष सिंह अपने कारखाने से घर लौट रहे थे।

भगोड़े से 50 लाख रुपए की हेरोइन बरामद

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में भगोड़ा घोषित किए गए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

उसके पास से करीब 50 लाख रुपए मूल्य की 100 ग्राम हेरोइन बरामद की है। आरोपी की पहचान दिल्ली निवासी 31 वर्षीय विजय के तौर पर हुई है और उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

सरकार से गुहार : "ऑपरेशन रोकने" की कगार पर एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट

महंगे जेट फ्यूल और लंबे रूट्स ने बढ़ाया संकट, एयरलाइंस बोलीं-उड़ान मुश्किल

अमेरिका-ईरान जंग और होर्मुज बंद होने से कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है, तो एयरलाइंस कंपनियों की मुसीबतें भी बढ़ गई हैं। भारत की प्रमुख एयरलाइंस एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ने कहा है कि वे "ऑपरेशन रोकने" की कगार पर हैं।

उन्होंने जेट फ्यूल की ऊंची कीमतों के बीच सरकार से "तुरंत दखल" की मांग की है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को चिट्ठी लिखी है और एयरलाइंस के लिए भारी नुकसान और विमानों के ग्राउंड होने से बचने के लिए कुछ कदम सुझाए हैं।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

भारतीय एयरलाइंस संकट में नजर आ रही हैं। एयर इंडिया से लेकर इंडिगो और स्पाइसजेट समेत तमाम एयरलाइन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को एक पत्र लिखकर अपनी परेशानी बताई है और चेतावनी देते हुए कहा है कि विमान ईंधन (एयर टर्बाइन फ्यूल) की कीमतों में तेज इजाफा होने से एविएशन सेक्टर बेहद तनाव का सामना कर रहा है। एफआईए ने अपने लिखे पत्र में एविएशन मिनिस्ट्री से कहा है कि मौजूदा लागत का माहौल कई एयर रूट्स को आर्थिक रूप से अव्यवहार्य बना रहा है। अगर एटीएफ की कीमत इसी तरह हाई पर बने रहते हैं, तो एयरलाइंस को अपने परिचालन का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। लेटर में एविएशन सेक्टर की चिंता का सबसे बड़ा कारण एटीएफ की कीमतों में हुआ तेज इजाफा बताया गया है।

- फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस ने सरकार को लिखी चिट्ठी

विमान ईंधन की कीमत में बेवजह बढ़ोतरी से एयरलाइंस को भारी नुकसान

अंतरराष्ट्रीय उड़ानें पूरी तरह से अव्यावहारिक

एयरलाइंस ने कहा कि हालात ने व्यावहारिक रूप से अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन को, घरेलू ऑपरेशन के साथ-साथ, पूरी तरह से अव्यावहारिक बना दिया है। अप्रैल में एविएशन सेक्टर को भारी नुकसान हुआ है। एफआईए ने तुरंत दखल की मांग की और कहा कि मौजूदा हालात घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन्स में भारी असंतुलन पैदा कर रहे हैं। इससे एयरलाइन नेटवर्क भी अव्यावहारिक और अस्थिर होते जा रहे हैं।

अमेरिका और ईरान युद्ध से बढ़ी परेशानी

भारतीय एयरलाइंस कंपनियों की इस परेशानी का सीधा कनेक्शन अमेरिका-ईरान युद्ध से है। दरअसल इस तनाव के चलते होर्मुज बंद होने से कच्चे तेल की ग्लोबल कीमतों में तगड़ा इजाफा हुआ है।

इधर, सरकार ने कहा-महंगा नहीं होगा पेट्रोल-डीजल

सरकार की पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने 29 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में मतदान समाप्त होने के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की अटकलों को खारिज किया। पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों के प्रभाव पर एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा, पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

एटीएफ पर हटे एक्साइज ड्यूटी

विमान ईंधन की कीमतों में तेजी के चलते परिचालन जारी रखने के लिए जूझ रही कंपनियों की समस्या के समाधान के लिए एफआईए ने सरकार से एटीएफ पर लगने वाली 11% एक्साइज ड्यूटी को अस्थायी रूप से हटाने की डिमांड की है। इसके साथ ही राज्य स्तर पर वैट में कमी लाने के लिए दबाव डालने का आग्रह भी किया है, जो कि कुछ राज्यों में 25 फीसदी तक है।

यूएई की एक मई से ओपेक से अलग होने की घोषणा

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मंगलवार को घोषणा की कि वह एक मई से तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और इसके व्यापक समूह 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा। यह कदम पिछले काफी समय से चर्चा में था, क्योंकि यूएई उत्पादन प्रतिबंधों के कारण असहज महसूस कर रहा था और पड़ोसी देश सऊदी अरब के साथ उसके संबंधों में भी खटास आ रही थी। यूएई लंबे समय से ओपेक का सदस्य रहा है। पहले 1967 में अबू धाबी अमीरात के रूप में और बाद में 1971 में यूएई के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद वह इसका हिस्सा बना था।

लाल सागर को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही: विएना स्थित तेल गठबंधन ओपेक में लंबे समय से सऊदी अरब की प्रभावी भूमिका रही है। हालांकि, हाल के वर्षों में अमेरिका द्वारा कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि करने से इस संगठन की बाजार शक्ति में कुछ कमी देखी गई।

कुदरगढ़ धाम की घटना

900 सीढ़ी चढ़ने के बाद गिरा श्रद्धालु, हार्ट अटैक से मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

सूरजपुर जिले के पवित्रदेवी धाम कुदरगढ़ से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। भीषण गर्मी के कुदरगढ़ की सीढ़ी चढ़कर मंदिर पहुंचे व्यक्ति की मौत हो गई। श्रद्धालु परिवार साथ माता के दर्शन करने पहुंचा था और लगभग 900 सीढ़ियां चढ़ चुका था। इस घटना के बाद मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा शव को पीएम उपरांत परिजन के सुपुर्द किया गया। सम्भवना जताई जा रही है कि भीषण गर्मी में सीढ़ियां चढ़ने और हार्ट अटैक के कारण व्यक्ति की मौत हुई। इस घटना से परिजन सदमें में है।

बताया जा रहा है कि कोरिया जिले के खड़गवां बचरापोड़ी निवासी 45 वर्षीय फूल सिंह अपने परिवार के सदस्यों के साथ मंगलवार को भैयाथान विकासखंड के पवित्र धार्मिक स्थल कुदरगढ़ में देवी के दर्शन करने आया हुआ था। इस दौरान परिवार के सदस्य मंदिर की 900 सीढ़ियां चढ़कर माता के दर्शन के लिए जा रहे थे। फूल सिंह सबसे आगे चल रहे थे और लगभग सभी सीढ़ियां चढ़ने के बाद वे मंदिर से पहले रूककर पीछे छूट गए परिजन का इन्तजार कर रहे थे। इसी दौरान अचानक ही वे गश्त ⏭शेष पेज 4 पर

हार्टअटेक के लक्षण

सूचना पर शव को अस्पताल पहुंचाया गया था, जहां डॉक्टरों ने मृतक का पीएम किया। श्रद्धालु की हार्ट अटैक से मौत के लक्षण नजर आए। पीएम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। शव परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है।
- डॉ. कपिलदेव पैकरा, सीएमएचओ सूरजपुर

दाऊद गैंग को बड़ा झटका

तुर्किये से भारत लाया गया कुख्यात ड्रग तस्कर सलीम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

बॉर्डर पार से ड्रग तस्करी करने वाले नेटवर्क पर लगाम लगाने के क्रम में भारतीय कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों को एक बड़ी सफलता मिली है। फरार गैंगस्टर सलीम इस्माइल डोला को तुर्किये से प्रत्यर्पित कर भारत लाया गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने घोषणा की कि स्वापक नियंत्रण ब्यूरो ने मंगलवार को कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर मोहम्मद सलीम डोला को तुर्किये से वापस लाने में सफलता हासिल की। डोला (59) को मार्च 2024 में भारत के अनुरोध पर जारी इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर तुर्किये में गिरफ्तार किया गया था।

हाल में ही तुर्किये में किया गया था गिरफ्तार

डोला को हाल ही में तुर्किये के इस्तांबुल में स्थानीय कानून प्रवर्तन और खुफिया इकाइयों के संयुक्त अभियान में गिरफ्तार किया गया था। उनकी गिरफ्तारी केंद्रीय जांच ब्यूरो के अनुरोध पर जारी इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर हुई थी। भारतीय अधिकारी, विशेष रूप से मुंबई पुलिस, कई वर्षों से मादक पदार्थों से संबंधित विभिन्न मामलों में उनकी हिरासत की मांग कर रहे थे।

5,000 करोड़ का ड्रग साम्राज्य

दुनिया भर में ड्रग तस्करी का नेटवर्क फैलाने वाले सलीम डोला का जन्म 1966 में मुंबई में हुआ था और वह बहुत कम उम्र में ही अंडरवर्ल्ड के करीब आ गया था। डोला लगभग 5,000 करोड़ रुपए के ड्रग साम्राज्य का संचालन करता था, जिससे वह इस सिंडिकेट के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ियों में से एक बन गया था। उसकी गिरफ्तारी को दाऊद नेटवर्क के लिए ही नहीं, बल्कि उसके कथित वित्तीय चैनलों के लिए भी एक बड़ा झटका माना जा रहा है।

शाह बोले- सीमा पार मजबूत पकड़

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसे मादक पदार्थ के गिरोहों के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति बताते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, मोदी सरकार के मादक पदार्थ गिरोहों को बेरहमी से कुचलने के मिशन के तहत, मादक पदार्थ के खिलाफ हमारी एजेंसियों ने वैश्विक एजेंसियों के एक मजबूत नेटवर्क के माध्यम से सीमापार भी अपनी पकड़ मजबूत की है।

राम पर आपत्तिजनक सवाल के लिए जिम्मेदार महासमुंद के डीईओ निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

लापरवाही और वित्तीय गड़बड़ियों के चलते राज्य शासन ने जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे को निलंबित कर दिया है। ये वही अधिकारी हैं जिन्हें चौथी की अर्धवार्षिक परीक्षा में अंग्रेजी के प्रश्न पत्र में कुत्ते के नाम के विकल्प में /"राम/" देने के लिए जिम्मेदार माना गया था। यह मामला सामने आने के बाद काफी बवाल मचा था और शासन ने जांच के आदेश दिए थे।

- आर्थिक गड़बड़ी और लापरवाही के भी आरोप

कक्षा चौथी की अंग्रेजी विषय की अर्धवार्षिक परीक्षा जनवरी में हुई थी। इसके प्रश्नपत्र में व्हाट इज द नेम आफ मोनाज़ डॉग? जिसके संभावित उत्तरों में ए- बाला, बी-नोवन मेंशन, सी- शेरू, डी-राम शामिल किया गया था। जिसके बाद सवाल पर बवाल हो गया। हिन्दू संगठनों का ⏭शेष पेज 4 पर

उनके कार्यकाल के दौरान गंभीर अनियमितताएं

मामले की जांच में यह भी पाया गया कि उच्च न्यायालय बिलासपुर में लंबित एक याचिका के संबंध में भी श्री लहरे ने जिम्मेदारी नहीं निभाई। संचालनालय द्वारा दिए गए निदेशों और व्हॉट्सऐप के माध्यम से दी गई जानकारी को नजरअंदाज करते हुए उन्होंने समय पर अपील दायर नहीं की, जो आदेश की अवहेलना मानी गई। इसके अलावा, विभागीय लेखाओं के अंकेक्षण में भी उनके कार्यकाल के दौरान गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। इन सभी मामलों को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) ⏭शेष पेज 4 पर

आतंकी मॉड्यूल की बड़ी वारदात

ट्रैक पर ब्लास्ट, मौके पर मिली बम लगाने वाले शख्स की लाश

एजेंसी ⏭ चंडीगढ़

खालिस्तान समर्थक आतंकी मॉड्यूल ने पटियाला के शंभू इलाके के पास एक मालगाड़ी कॉरिडोर की पटरी पर देर रात विस्फोट किया और इस दौरान मॉड्यूल का एक सदस्य भी मारा गया। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि मॉड्यूल के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट सोमवार रात शंभू-अंबाला रेलवे पटरी के पास हुआ।

चार आरोपी गिरफ्तार

पुलिस उप महानिरीक्षक कुलदीप चहल ने बताया कि चार लोगों प्रदीप सिंह खालसा, कुलविंदर सिंह, सतनाम सिंह और गुरप्रीत सिंह को इस संबंध में गिरफ्तार किया गया है। प्रदीप और कुलविंदर मानसा के रहने वाले हैं जबकि सतनाम और गुरप्रीत तरन तारन के निवासी हैं। प्रदीप खालसा को इस मॉड्यूल का मुख्य सरगना माना गया।

हर दिन जान हथेली पर सफर कर रहे महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे

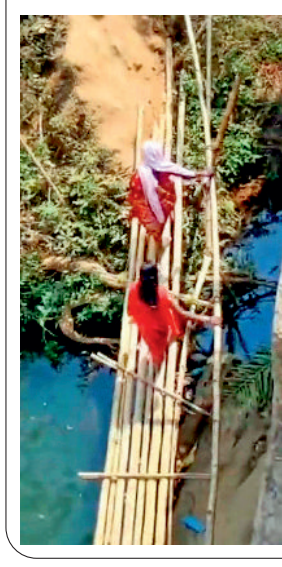

महेन्द्र विश्वकर्मा ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले के दरभा ब्लॉक के चितापुर पंचायत की पुलिया 9 माह पूर्व बारिश के चलते टूट गई। इस पुलिया के उस पार पंचायत भवन, स्कूल, बैंक, स्वास्थ्य केंद्र और राशन दुकान जैसी जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं। पुलिया से जाने वाला रास्ता तीन गांवों के ग्रामीणों के लिए सिर्फ सड़क नहीं बल्कि जिंदगी की डोर है। पुलिया टूटने के बाद ग्रामीणों को नाले के बीच ⏭शेष पेज 4 पर

अलग खबर

सबसे ज्यादा स्कूली बच्चे परेशान

इस टूटी पुलिया का सबसे ज्यादा असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। छोटे-छोटे बच्चे रोज बांस और लकड़ी के सहारे बने जुगाड़ू रास्ते से स्कूल पहुंचते हैं। कई बच्चे फिसलकर नाले में गिर चुके हैं। किताबें भीग गईं कपड़े खराब हुए, लेकिन पढ़ाई के लिए खतरा उठाना उनकी मजबूरी बन गया है। बच्चों के परिवारों में हर दिन डर बना रहता है कि स्कूल गए बच्चे सुरक्षित लौटेंगे या नहीं।

9 महीने से मिला आश्वासन

लगभग 9 महीने पहले मानसून की तेज बारिश में यह पुलिया टूट गई थी। तब से अब तक ना मरम्मत हुई ना नया निर्माण शुरू हुआ ना कोई स्थायी इंतजाम किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच से लेकर विधायक, सांसद और कलेक्टर तक शिकायत की जा चुकी है, लेकिन सिर्फ आश्वासन ही मिला।

स्वीकृत होने से पुलिया का होगा निर्माण

पीएमजीवाय जगदलपुर के कार्यपालन अभियंता राहुल कश्यप ने इस संबंध में बताया कि चितापुर पंचायत की पुलिया बारिश एवं बाढ़ से टूट गई। ऐसे ही जिले कई जर्जर पुलियों के निर्माण एवं मरम्मत के लिए प्रस्ताव बनाकर मुख्यालय को भेजा गया है। स्वीकृत होने के बाद पुलिया का निर्माण कार्य किया।

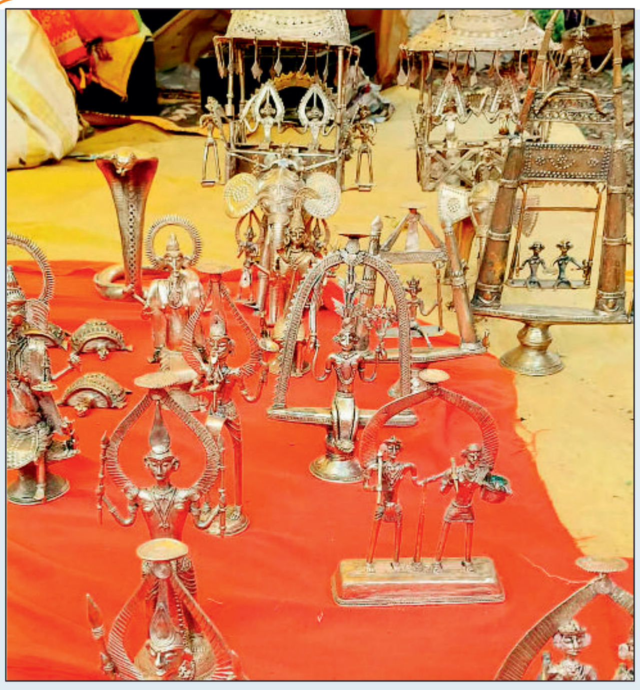

संस्कृति

स्वाति आनंद

बस्तर के जनजातीय समाजों में लोक देवता :राजाराव

बस्तर क्षेत्र के रक्षक राव देवताओं के बारे में बताया जाता है कि ऐसे कई रक्षक देवता है जो अपने क्षेत्र की रक्षा करते हैं। आज भी लोग अपनी आस्था और मानता का प्रतीक के रूप में इस देव की मूर्तियां राव घाट पर अर्पित करते हैं। यह गांव के बाहर रहने वाले देवता है जो घोड़े पर सवार होते हैं। माना जाता है कि आज भी रात के सन्नाटों पर यह देवता गांव की रक्षा घोड़े पर बैठकर करते हैं घोड़े के टॉप की आवाज से आज भी इन देवताओं की उपस्थिति का आभास किया जा सकता है। बस्तर की धरती को उत्तर और दक्षिण बस्तर में बांटा गया है जहां पर उत्तर बस्तर के राजा भंगा राम और दक्षिण के राजा भैरव के नाम से जाने जाते हैं, लोक कथाओं में भी कुछ क्षेत्र रक्षक को राव की संज्ञा मिली उल्लेख मिलता है। राव न्याय के देवता है जिस तरह मां क्षेत्र के केंद्र पर स्थित होती हैं उनकी रक्षा के लिए भैरव उनके साथ होते हैं वैसे ही क्षेत्र रक्षा के लिए इन गणों का उल्लेख किया गया है वे राव कहलाते हैं यह सीमांत रक्षक है माना जाता है यह गांव में प्रवेश नहीं करते स्वभाव से यह उग्र और धर्म की स्थापना करने वाले देवता है। रावदेव–राजाराव की प्रतिमात्मक विशेषताओं, निवास-स्थानों, अनुष्ठानों तथा फसल-रक्षा की बहुस्तरीय लोक-व्यवस्था का विश्लेषण करता है। यह स्पष्ट करता है कि ये लोकदेवता रोग-निवारण, पर्यावरणीय संतुलन और सामुदायिक अनुशासन की

स्थानीय अवधारणा को मूर्त रूप देते है।जनजातीय विश्वासों में माना जाता है कि घुड़सवार देवता रात में गाँव की परिक्रमा करते है। भित्तिचित्रों, टेराकोटा शिल्प और लकड़ी की मूर्तियों में घोड़े को अतिरंजित रूप में दर्शाया जाता है।

जनजातीय और लोक समाजों में घोड़ा युद्ध का औजार नहीं, बल्कि रक्षा, गति और देवत्व का प्रतीक है। यह दृष्टिकोण हमें भारतीय इतिहास को एकांगी राजकीय कथा से बाहर निकालकर जन-स्मृति और लोकानुभव के व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखने की प्रेरणा देता है। घोड़े की यह लोकछवि बताती है कि सांस्कृतिक निरंतरता कभी-कभी जैविक या ऐतिहासिक निरंतरता से अधिक प्रभावशाली होती है। बस्तर की कहानी में आज भी राव की उपस्थिति आधार पेड़ के नीचे या पहाड़ों के या टेकारियों के ऊपर मानी गई है यह सदैव घोड़े में ही रहते हैं आज भी बस्तर में राव घाट केशकाल घाटी के राव बस्तर के सभी राव में सबसे प्रधान राव माने जाते हैं।लोक मान्यता में राजाराव के साथ नंदिराव, मतला राव, जाखराव, चिमराव, पंडराराव, करियाराव, बागदि राव, नलाराव, कुमुरी राव आदि माने जाते हैं।

ऐतिहासिक

डा. महेशचंद्र शर्मा

अनेक देशों के लोग आते हैं महानदी घाटी के रहस्यों को पता लगाने

महानदी घाटी सभ्यता के चमत्कारों और मिथकों को समझने के लिए चीन के साथ फारस के भी यात्री आते रहे हैं। पुराने कोसल और कलिंग के साथ आज के छत्तीसगढ़ और ओड़िशा अनादि काल से अभिन्न रहे हैं। ओड़िशा के कई जिले पहले कोसल में भी थे। हीरों के उत्खनन के विषय में इस भूमि की ऐतिहासिक सूचना हीराकुण्ड इस स्थान विशेष के नाम से भी प्राप्त होती है। ओड़िशा में स्थित किन्तु छत्तीसगढ़ की जीवन रेखा महानदी पर बंधा हीराकुण्ड बांध तो विश्व प्रसिद्ध है। भारतीय कूटनीति के आचार्य चाणक्य ने भी अपने महान ग्रन्थ अर्थशास्त्र में हीरो की खान के रूप में छत्तीसगढ़ का उल्लेख किया है। हमारे पुराने तथा आधुनिक कवियों ने कोसल जननी अर्थात छत्तीसगढ़ महतारी की भूरी भूरी वंदना की है।

खानपान

डा. नीलकंठ देवांगन

स्वादिष्ट होता है भाप में पकने वाला बफौरी

बफौरी छत्तीसगढ़ का पारंपरिक, पौष्टिक, स्वादिष्ट और स्वास्थ्यवर्धक व्यंजन है घरों में खाए जाने वाले इस व्यंजन को भाप से पकाया जाता है ले इसलिए इसे भापौरी भी कहते हैं I चना एवं अन्य दाल से बनने से यह प्रोटीन से भरपूर होता है I इसमें कम या न के बराबर तेल लगता है I चना दाल में थोड़ी मूंग या मसूर दाल को रात में भिगोकर सबेरे दरदरा पीस लें I पिसी दाल में बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, अदरक, धनिया पत्ती, हल्दी, हींग, अंजवाइन, लाल मिर्च पाउडर, नमक मिलाकर फेंट दें I मिश्रण को छोटी छोटी गोली या चपटी लोई बना लें I एक बर्तन में पानी भर ऊपर पतला कपड़ा बांध दें I उस पर लोई रख ढंकनी या बर्तन से ढंक कर भाप में पकाएं या मिश्रण को छोटी छोटी रोटी जैसा बनाकर भाप से पकाएं I पकने पर चाकू से टुकड़े टुकड़े बना लें I फिर एक कड़ाही में थोड़ा तेल डाल सरसों, मीठा पत्ती या मिर्च का छौंका लगाकर हल्का सुनहरा होने तक तलें I न तलें तो ऐसे ही गरम गरम चटनी के साथ खाएं I यह सुबह का रुचिकर अल्पाहार या नाश्ता है I इसे इडली मशीन से भी पका सकते हैं I इडली मशीन को तेल से चिकना कर उससे बफौरी पकाया जा सकता है I

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें– **Choupalharibhoomi@gmail.com**

अंचल में हजारों वर्ष पूर्व से संगीत कला समृद्ध रही

कला जगत

बलदेव प्रसाद मिश्र

सर रिचर्ड टेम्पल के बनाए हुए राज्यों में अब नांदगांव, छुईखदान और खैरागढ़ का उल्लेख ही शेष रह जाता है। खैरागढ़ का राज्य नागवंशी क्षत्रियों के अधीन रहा है, जिन्हें मंडला के गोंड राजा ने अठारहवीं शताब्दी के मध्य में इलाके का अधिकार दिया था। खैरागढ़ जनपद के अंतर्गत डोंगरगढ़ की विमला देवी (बमलाई अथवा बगलामुखी माता) का प्रसिद्ध मंदिर है। डोंगरगढ़ की बस्ती पहले कामा नगरी कहलाती थी, जिसके नरेश कामसेन की सभा में सुप्रसिद्ध कामकंदला नर्तकी रहती थी।

माधव नाम के एक कला कोविद ब्राम्हण से उसकी प्रीति हो गई और इसी सम्बन्ध में उज्जैन के राजा वीर विक्रमादित्य को यहां तक आना पड़ा था। विमला देवी भी उस समय सिद्ध शक्ति मानी जाती थी। इस पहाड़ी मंदिर के समीप ही कामकंदला तालाब आज भी मौजूद है। इसी तरह माधव ब्राह्मण का महल भी जीर्ण शीर्ण अवस्था में कटनी से कुछ दूरी पर देखा जा सकता है। माधवानल और कामकंदला नाम से नाटक संस्कृत और हिन्दी में लिखे गए हैं। यदि इन्हें मानें तो आज से लगभग दो हजार वर्ष पहले इस स्थान की संगीत कला आश्चर्यजनक उन्नति को प्राप्त हो चुकी थी।

गांव की कहानी : विजय शर्मा

चंपापुरगढ़ के प्रामाणिक तथ्यों को भुलाया नहीं किया जा सकता

सातवीं शताब्दी में चीनी पर्यटक व्हेनसांग के यात्रा आलेख के अनुसार छत्तीसगढ़ में एक गढ़ चंपापुर हुआ। ऐतिहासिक जानकारी के अनुसार कलचुरी वंशज राजा भीमसेन द्वितीय की राजधानी चंपापुर के नाम से विख्यात था। चंपापुर की नगर देवी चंपेश्वरी देवी थी। यहां के राजा भीमसेन द्वितीय पर दूसरे राजा हयराज ने आक्रमण कर पराजित किया था। पराजित राजा भीमसेन द्वितीय के भ्राता भरतबल की रुपवती रानी लोक प्रभा जो तत्कालीन कौशल नरेश राज कन्या थी उसे युद्ध काल में सुरक्षा की दृष्टि से नागार्जुन संघाराम में भूमिगत सुरंग मार्ग से लाकर रख दिया था। युद्ध समाप्ति पश्चात राजा भीमसेन द्वितीय तथा भरतबल ने इस जंगल में रानी लोकप्रभा की खोज की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। भरतबल ने पत्नी वियोग से दुखी होकर आत्महत्या कर ली। कुछ समय पश्चात भीमसेन की भी मृत्यु हो गई। अब तक यह स्थान तहस नहस हो चुका था। यहां के निवासी बिखरने लगे, बसाहट पश्चात इस स्थान को चंपाई ग्राम से जाना जाता है।

लोक साहित्य

शकुंतला वर्मा

मृत्यु संस्कार में भी अंचल में गाए जाते हैं गीत

छत्तीसगढ़ में सोलह संस्कार में मृत्यु संस्कार भी विधिवत सम्पन्न होते हैं। जब मृत्यु पर शोक और विषाद का वातावरण छाया रहता है, जिसमें जन समूह का कंठ रूंध सा जाता है, तब गीत आदि के संयोजन का कोई अवकाश नहीं रहता। इस समय बंगला अजब बना....हरि के नाम.... तरी लागे खांचा.... जैसे भजनों की प्रस्तुति होती है। इन तीनो गीतों के भावों में जन्म, शरीर और आत्मा का सम्बन्ध, पाप पुण्य का विचार के साथ नरक और स्वर्ग का उल्लेख होता है। मनुष्य का यह सुन्दर शरीर नश्वर है, आत्मा हंस के समान है। जन्म का कारण दया, धर्म और भाव भजन है। लोभ का त्याग और संसार के आकर्षण से दूर रहना चाहिए। पुण्यात्मा को नील हंस घोड़े पर चढ़ने को मिलता है और पापी को फांसी मिलती है। यमराज की पुरी में अग्नि के खम्बे हैं खून, पीप के कुंड हैं परन्तु स्वर्ग में मंगल ही मंगल है।

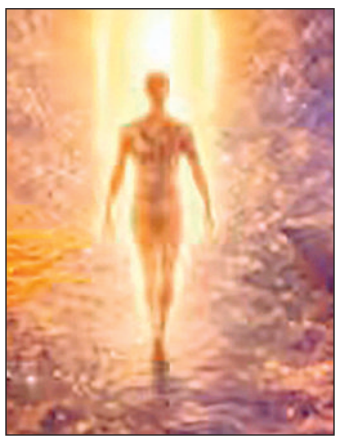

सुरता : वीरेन्द्र बहादुर सिंह

देश भक्त और समाजसेवी के रूप में जाने गए प. पदमाकर प्रसाद त्रिपाठी

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प. पदमाकर प्रसाद त्रिपाठी का जन्म 10 फरवरी 1925 को छुईखदान में हुआ था। आपने रायपुर के रामचंद्र संस्कृत पाठशाला से 1949 में संस्कृत साहित्य विशारद की उपाधि प्राप्त की। शाला के आचार्य प. विश्वनाथ पाण्डेय की मूल प्रेरणा से आपके मन में देश प्रेम और राष्ट्रीयता की भावना जागृत हुई। 9अगस्त 1942 को गांधीजी के करो या मरो आंदोलन में आप भी भाग लिए और हिरासत में ले लिए गए।

2 अक्टूबर 1942 को सत्ती बाजार चौक रायपुर के मोतीलाल त्रिपाठी के नेतृत्व में ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए अंग्रेज प्रधानमंत्री चर्चिल का जनाजा निकालते और पुतला दहन करते हुए गिरफ्तार कर लिए गए। आप इस आंदोलन में लगातार सक्रिय रहे। स्वतंत्रता आंदोलन में उल्लेखनीय योगदान के लिए प. पदमाकर त्रिपाठी को 1995 में सेठ गोविन्द दास द्वारा ताम्रपत्र भेंट कर सम्मानित किया गया था।

स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात अपने गृह नगर छुईखदान लौट आए, जहां शिक्षक की नौकरी करते प्रधान पाठक पद से सेवानिवृत हुए। शिक्षकीय कार्य के अलावा आपने पुरोहित तथा भागवत कथा का वाचन भी किए। स्वभाव से मृदुभाषी त्रिपाठी जी का निधन 26 जून 2001 को हो गया।

बंगाल विधानसभा चुनाव

बड़ा सवाल, टीएमसी का रहेगा दबदबा या भाजपा लगाएगी सेंध

दक्षिण बंगाल है सत्ता की चाबी, यहीं से खुलती है नबान्न तक पहुंचने की राह

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के तहत बुधवार को होने वाला मतदान तय करेगा कि क्या तृणमूल कांग्रेस अब भी अपने गढ़ पर कब्जा बनाए रखेगी या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इसमें अपनी पकड़ मजबूत कर आखिरकार राज्य सचिवालय 'नबान्न' पहुंचने में सफल होगी। चुनाव के दूसरे चरण के तहत बुधवार को राज्य विधानसभा की 142 सीट के लिए मतदान होगा।

दूसरे व अंतिम चरण के लिए आज होगा 142 सीटों पर मतदान

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल में 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के मतदान में उत्तर बंगाल और आस-पास के जिलों में भाजपा की पारंपरिक पकड़ की परीक्षा हुई और अब दूसरे चरण में तृणमूल कांग्रेस के गढ़ - कोलकाता, हावड़ा, उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना, नादिया, हुगली और पूर्वी बर्धमान - के मुकाबलों पर नजर रहेगी। इन इलाकों का परिणाम चुनाव की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है। दूसरे चरण में जिन 142 सीट पर मतदान होना है उनमें से तृणमूल कांग्रेस ने 2021 में 123 सीट जीती थीं, भाजपा ने सिर्फ 18 और 'इंडियन सेक्युलर फ्रंट' (आईएसएफ) ने एक सीट हासिल की थी। भाजपा के तमाम प्रयासों के बावजूद पांच साल पहले ममता बनर्जी की पार्टी ने दक्षिण बंगाल में शानदार जीत हासिल की और आसानी से सत्ता पर कब्जा किया। भवानीपुर विधानसभा सीट पर भी इसी चरण में मतदान होना है, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक गढ़ है और भाजपा ने यहां नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी को मैदान में उतारा है। तृणमूल कांग्रेस के लिए इन इलाकों पर कब्जा बनाए रखना अहम है, जिससे उसके लगातार चौथी बार सत्ता में आने का रास्ता पूरी तरह से खुला रहेगा। तृणमूल कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, 'यह हमेशा से हमारा सबसे मजबूत क्षेत्र रहा है तथा 2021 विधानसभा से लेकर 2024 के लोकसभा चुनावों में भी यहां के लोगों ने हमारा साथ दिया। अगर हम इस क्षेत्र में फिर से जीत दर्ज करते हैं, तो बंगाल में ममता बनर्जी की ही सरकार बनेगी।

ये है असली चुनावी युद्धक्षेत्र

' भाजपा की प्रदेश इकाई के एक नेता ने कहा, 'दक्षिण बंगाल में पकड़ बनाए बिना हम सत्ता तक नहीं पहुंच सकते। उत्तर 24 परगना, कोलकाता और हावड़ा ही असली चुनावी युद्धक्षेत्र हैं। बदलाव यहीं से होगा।' भौगोलिक स्थिति इसकी अहमियत को स्पष्ट करती है। उत्तर 24 परगना में विधानसभा की 33 सीट, दक्षिण 24 परगना में 31, हावड़ा में 16, नदिया में 17, हुगली में 18, पूर्वी बर्धमान में 16 और कोलकाता में 11 सीट हैं। राज्य में पहले चरण में 93.19 प्रतिशत मतदान दर्ज होने के बाद बनर्जी ने दावा किया था कि तृणमूल कांग्रेस पहले ही 100 सीट का आंकड़ा पार कर चुकी है। यह राज्य में अब तक का सबसे अधिक मत प्रतिशत है।

यहां कटे हैं बड़ी संख्या में नाम

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने नाम हटाए जाने के मुद्दे को दूसरे चरण का संभवतः सबसे संवेदनशील राजनीतिक मुद्दा बना दिया है। उत्तर 24 परगना में मतदाता सूचियों से 12.6 लाख से अधिक नाम हटाए गए, दक्षिण 24 परगना में 10.91 लाख से अधिक, कोलकाता में लगभग 6.97 लाख, हावड़ा में लगभग छह लाख, हुगली में 4.68 लाख और नादिया में लगभग 4.85 लाख नाम हटाए गए।

एसआईआर : 1,468 मतदाता को मंजूरी करेंगे मतदान

कोलकाता। एसआईआर से जुड़े न्यायाधिकरण के आदेशों के बाद पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में कुल 1,468 लोगों का नाम जोड़ा गया है, जो 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण में अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सकेंगे। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। निर्वाचन आयोग के अनुसार, जिन मतदाताओं के नाम पूरक मतदाता सूची में हैं, वे आयोग की वेबसाइट पर अपना मतदाता पहचान पत्र क्रमांक दर्ज करके अपने विवरण की जांच कर सकते हैं। निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'जिन मतदाताओं की अपीलों का निपटारा अपीलीय न्यायाधिकरणों द्वारा 27 अप्रैल तक कर दिया गया था, उन्हें एक पूरक मतदाता सूची में शामिल किया गया है, और वे दूसरे चरण में मतदान कर सकेंगे।' उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग को एक पूरक मतदाता सूची जारी करने का निर्देश दिया था जिसमें उन मतदाताओं को शामिल किया जाए जिनकी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान उनके नाम हटाए जाने के खिलाफ अपील राज्य के अपीलीय न्यायाधिकरणों द्वारा स्वीकार कर ली गई थी। इससे पहले, राज्य में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण से पहले न्यायाधिकरण द्वारा मंजूरी प्राप्त 139 मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ा गया था। एक अन्य अधिकारी ने कहा, 'इस प्रयास का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक पात्र मतदाता को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का अवसर मिले।'

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण के तहत बुधवार को होने वाले मतदान के लिए तैयारी जारी है। ईवीएम और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) यूनिट्स लेने के बाद, मंगलवार को कोलकाता और नादिया के वितरण केंद्र से मतदान अधिकारी रवाना होते हुए।

विशाखापत्तनम को एआई केंद्र बनाएगा गूगल, करेगा 15 अरब डॉलर का निवेश

एजेंसी ▶▶| तारलुवाड़ा (आंध्र प्रदेश)

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भारत की बढ़ती डिजिटल क्षमता का उल्लेख करते हुए मंगलवार को कहा कि 15 अरब डॉलर के आगामी गूगल एआई डेटा सेंटर के साथ विशाखापत्तनम कृत्रिम मेधा (एआई) केंद्र के रूप में उभरेगा। विशाखापत्तनम के तारलुवाड़ा में 'गूगल क्लाउड इंडिया एआई डेटा सेंटर' के शिलान्यास समारोह में उन्होंने कहा कि यह पहल भारत के एआई आधारित डिजिटल ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह परियोजना अदाणी कॉनेक्स और एयरटेल नेक्स्ट्रा के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही है।

इसमें विशाखापत्तनम में एक गीगावाट का 'हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटर' शामिल होगा।

- पहल भारत के एआई आधारित डिजिटल ढांचे को मजबूत बनाएगी

पीएम के दृष्टिकोण की सराहना

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विशाखापत्तनम एक एआई शहर में परिवर्तित हो जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के दृष्टिकोण की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि मजबूत नीतिगत समर्थन और नेतृत्व के दम पर भारत इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में विश्व के लिए एक प्रमुख विश्वसनीय मूल्य श्रृंखला और आपूर्ति श्रृंखला भागीदार के रूप में उभरने के लिए तैयार है।

लगभग 600 एकड़ भूमि आवंटित

वैष्णव ने बताया कि आंध्र प्रदेश सरकार ने इस परियोजना के लिए तारलुवाड़ा, अदाविवरम और रामबिल्ली क्षेत्रों में लगभग 600 एकड़ भूमि आवंटित की है। उन्होंने कहा, "भारत की बढ़ती डिजिटल ताकत स्पष्ट है और 15 अरब डॉलर के गूगल एआई डेटा सेंटर के साथ विशाखापत्तनम एक प्रमुख एआई केंद्र बनने जा रहा है।" वैष्णव ने कहा कि भारत अब बड़ी संख्या में मोबाइल फोन का निर्यात कर रहा है और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक मांग का करीब 50 प्रतिशत पूरा कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सेमीकंडक्टर मिशन सहित इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन और विनिर्माण में भारत को वैश्विक केंद्र बनाने के प्रयास जारी हैं।

एआई और टेक्नोलॉजी का असर, प्राइवेट बैंक में जाने लगी नौकरियां

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के बड़े प्राइवेट बैंक अब 'एम्प्लॉई ऑप्टिमाइजेशन' की तरफ बढ़ रहे हैं, यानी कम लोगों के साथ ज्यादा काम करने की रणनीति। टेक्नोलॉजी और एआई के बढ़ते इस्तेमाल से कई काम ऑटोमेट हो रहे हैं। इससे बैंक कम स्टाफ के साथ भी ज्यादा ब्रांच चला पा रहे हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, एचडीएफसी बैंक के कर्मचारियों की संख्या वित्तीय वर्ष 2026 के अंत में घटकर 2.11 लाख रह गई, जो पिछले साल 2.14 लाख थी। मार्च तिमाही में ही करीब 4,000 कर्मचारी घटे हैं। एक्सिस बैंक में भी कर्मचारियों की संख्या घटकर 1.01 लाख रह गई। यह पिछले साल 1.04 लाख थी।

कर्मचारियों की संख्या घटने की वजह

बैंकों में टेक्नोलॉजी और डिजिटल सिस्टम के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से बड़ा बदलाव हो रहा है। एआई और ऑटोमेशन के जरिए कई काम अब पहले से ज्यादा तेजी से और कम लोगों में हो रहे हैं। इससे कुछ पारंपरिक भूमिकाओं की जरूरत कम हो रही है और बैंक कम कर्मचारियों के साथ काम चला पा रहे हैं। एक्सिस बैंक का कहना है कि टेक्नोलॉजी में निवेश और बेहतर प्रोडक्टिविटी के कारण कुछ रोल्स अब जरूरी नहीं रह गए हैं। हालांकि, अभी एआई का पूरा असर नहीं दिखा है। आने वाले समय में जब एआई का इस्तेमाल और बढ़ेगा, तो कर्मचारियों की संख्या पर इसका असर और ज्यादा दिख सकता है।

मुफ्त वाई-फाई सेवा की इच्छा आर्थिक बाधा पैदा कर रही

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने जारी एक परामर्श पत्र में कहा कि मुफ्त वाई-फाई सेवा की इच्छा सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क के विस्तार में एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक और आर्थिक बाधा पैदा कर रही है। ''भारत में सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क का प्रसार'' विषय पर जारी परामर्श पत्र में ट्राई ने कहा कि 4जी और 5जी मोबाइल डेटा की आक्रामक कीमतों के कारण भारतीय उपभोक्ताओं की मानसिकता ऐसी बन गई है कि वे इंटरनेट संपर्क को लगभग शून्य लागत वाली वस्तु के रूप में देखते हैं।

कार्यालय नगर पंचायत बरेला, जिला मुंगेली (छ.ग.)

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 141/लो.नि./न.पं./2026-27 बरेला, दिनांक 28/04/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

सिस्टम टेंडर नम्बर	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	Bid Due Date
189986	वार्ड क्र. 03 पंचायत भवन से रामचंद्र पटेल के घर तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य	13.92	20.05.2026
189987	वार्ड क्र. 09 मनियारी नदी में, वार्ड 04 चितावर तालाब में एवं वार्ड 06 अम्हा तालाब में पचरी निर्माण कार्य	11.23	20.05.2026

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बरेला

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 1499,1491/ज.प्र./2026 दिनांक 24.04.2026

नगर पालिक निगम, कोरबा द्वारा कार्य क्र. क एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	शिवाजी नगर और डिंगापुर ओ.एच.पी. में ओवर हेड टैंक की मरम्मत और पानी के रिसाव का ट्रीटमेंट और गनेटिंग का कार्य (ग्री.का.पे.संकट) (तृतीय निविदा)	20.75	04.05.2026 (T.No. 189650)
1	वार्ड क 1 रामसागर पारा तिवारी मोहल्ला एवं वार्ड क 14 चिमनीभटठा आंगनबाडी के पास डिस्ट्रीव्यूशन पी.व्ही.सी पाईप लाईन बिछाने एवं लगाने का कार्य (ग्री.का.पे.ज.सं.नि.) (द्वितीय निविदा)	14.50	11.05.2026 (T.No.189656)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

कार्यालय संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक
स्व.बिसाहू दास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय कोरबा (छ.ग.)
Email- gmckorbaasso.hospital@gmail.com

क्र./जी.एम.सी.एच/क्रय/निविदा/2026-27 1699 कोरबा, दिनांक 27/4/26

निविदा

स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय कोरबा (छ.ग.) के अधीनस्थ नेत्र रोग विभाग के लिए ब्राडेंड औषधि/कंज्यूमेबल क्रय किये जाने के लिए इच्छुक फर्म/निर्माता कंपनी से खुली निविदा आमंत्रित किया जाता है।

निविदा प्रपत्र शुल्क रू. 1000/- (रू. एक हजार मात्र) वापसी योग्य नहीं है।		
अमानत राशि (EMD) निम्नानुसार देय होगा		
के नाम से	प्रस्तुत EMD का प्रकार	अमानत राशि (EMD) रू. में
संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक	Demand Draft	रु. 30,000/- (रू. तीस हजार मात्र)

निविदा फार्म जारी करने की तिथि	दिनांक 30.04.2026 से कार्यालयीन समय पर
निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि	दिनांक 14.05.2026 समय कार्यालयीन समय पर
निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि	दिनांक 15.05.2026 समय दोपहर 3:00 बजे तक पंजीकृत डाक/ स्पीड पोस्ट/ कोरियर के माध्यम से
निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 15.05.2026 समय सायं 4:00 बजे, स्थान-कार्यालय संयुक्त संचालक स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध चिकित्सालय कोरबा (छ.ग.)

टीप :- निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए महाविद्यालय के वेबसाइट sbdmscm.edu.in में अवलोकन कर सकते है।

संयुक्त संचालक सह अस्पताल अधीक्षक
स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय सबंद्ध चिकित्सालय, कोरबा (छ.ग.)

जी. 262700412/4

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कोरबा (छ.ग.)

क्रमांक/डी.एम.एफ./2026/4670 कोरबा दिनांक : 27.04.2026

सूचना

जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत संविदा पदों पर भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशन बावत।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कोरबा छ.ग. के पत्र क्रमांक/डी.एम.एफ./2026/375, कोरबा, दिनांक 27.04.2026 के द्वारा जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत रेडियोग्राफर के पद पर भर्ती हेतु विज्ञापन जारी किया गया है

क्र.	पदनाम	कुल रिक्तियां	वर्ग													
			अजजा				अजा				अपिव				अनारक्षित			
			मुक्त	महिला	भू.पू.सै.	दिव्यांग	मुक्त	महिला	भू.पू.सै.	दिव्यांग	मुक्त	महिला	भू.पू.सै.	दिव्यांग	मुक्त	महिला	भू.पू.सै.	दिव्यांग
1	रेडियोग्राफर	6	2	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	0	2	0	0	0

उक्त रिक्त संविदा पदों पर पात्र इच्छुक अभ्यार्थियों से दिनांक 12.05.2026 को शायं 5:00 बजे तक आवेदन आमंत्रित किये गये हैं।

उक्त विज्ञापन का विवरण कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला कोरबा के सूचना पटल एवं कोरबा जिले के शासकीय वेबसाईट www.korba.gov.in मे उपलब्ध है। जिसका अवलोकन किया जा सकता है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला कोरबा (छ.ग.)

जी. 262700420/3

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

यूएई की एक मई से ओपेक से अलग होने की घोषणा

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मंगलवार को घोषणा की कि वह एक मई से तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक और इसके व्यापक समूह 'ओपेक प्लस' को छोड़ देगा। यह कदम पिछले काफी समय से चर्चा में था, क्योंकि यूएई उत्पादन प्रतिबंधों के कारण असहज महसूस कर रहा था और पड़ोसी देश सऊदी अरब के साथ उसके संबंधों में भी खटास आ रही थी। यूएई लंबे समय से ओपेक का सदस्य रहा है। पहले 1967 में अबू धाबी अमीरात के रूप में और बाद में 1971 में यूएई के एक स्वतंत्र देश बनने के बाद वह इसका हिस्सा बना था। हालांकि, यूएई तेजी से पश्चिम एशिया में अपनी स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रहा है, जो समय के साथ रियाद के कुछ रुख के विपरीत रही है।

शब्द पहेली - 6210

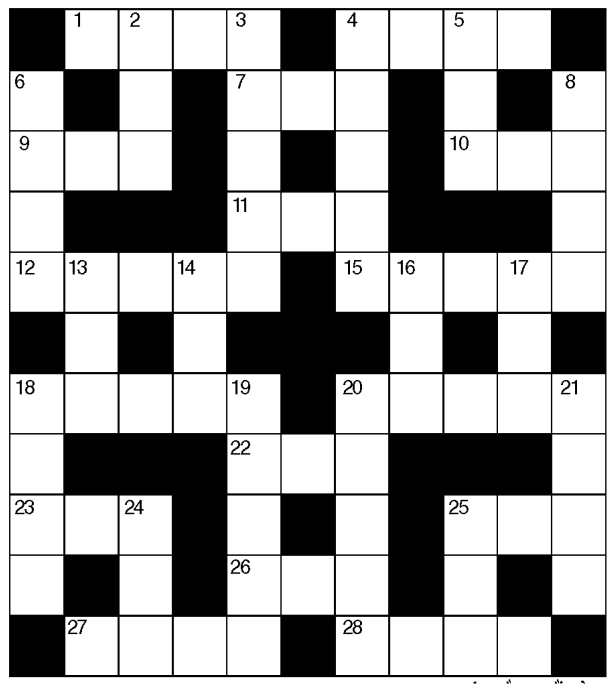

बाएँ से दाए-
1. बेजोड़-4
4. परिचय, निशान-4
7. कला-3
9. सज्जनता, चरित्र, आदर्श-3
10. प्रथा, रिवाज-3
11. उपस्थिति-3
12. सेन्धमार-5
15. शयनागार, बेडरूम, आरामगाह-3,2
18. तड़के, सुबह सवेरे-5
20. चुगली करना-2,3
22. मैला, गंदा-3
23. रसद, आहर पदार्थ-3
25. प्रणाम, नमस्कार-3
26. तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27. स्थायी, प्राचीन-4
28. हुकूमत, राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे
2. मुलाकात, मिलाप-3
3. खून से लथपथ-5
4. लालन-पालन-5
5. सेवक, नौकर, दास-3
6. धोखेबाज-4
8. समान, एक जैसा-4
13. पंकज, जलज-3
14. आघात, चोट-3
16. भरोसा, विश्वास-3
17. कुली, पालकी वाहक-3
18. जुर्म, गुनाह-4
19. स्वदेश वासी-5
20. शतपदी, कनखजूरा-5
21. अहमक, मूर्ख-4
24. स्नान करना-3
25. सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली -6209 का हल

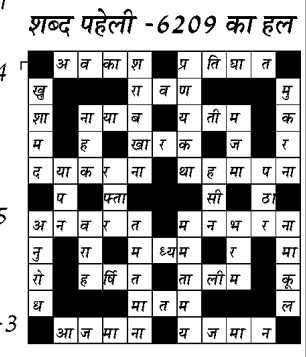

सूडोकु नवताल - 6220

कठिनतम

			4				3	
		6		2		4		
		8			5			
	3						7	
7				4				9
	9						5	
			2			1		
		1		7		6		
	5				3			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6219 का हल

7	8	5	4	2	9	6	3	1
3	6	4	1	5	7	8	9	2
9	2	1	6	3	8	7	4	5
6	5	3	2	8	4	9	1	7
1	7	2	3	9	6	4	5	8
4	9	8	7	1	5	2	6	3
2	4	7	5	6	1	3	8	9
5	3	9	8	4	2	1	7	6
8	1	6	9	7	3	5	2	4

प्रथम पृष्ठ का शेष

ईडी के छापे...
हेराफेरी और जालसाजी करके अवैध रूप से मुआवजा प्राप्त किया।

गुवाहाटी में रायपुर पुलिस ...
कर्मियों को सलाखों के पीछे भेजा जाता, उससे पहले रायपुर पुलिस के आला अधिकारियों ने गुवाहाटी के आला अधिकारियों से संपर्क कर इस पूरे मामले की जानकारी दी, जिसके बाद हिरासत में ली गई रायपुर पुलिस टीम को छोड़ दिया गया। इसके बाद रायपुर पुलिस अब खाली हाथ ही लौट रही है।

बिना जांच पड़ताल के केस दर्ज, मामला बताने के बाद गलती मानी- पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रायपुर पुलिस की टीम में शामिल सभी कर्मियों के विरुद्ध वहां की पुलिस ने जांच-पड़ताल किए बिना ही केस दर्ज कर लिया है। इस मामले में जब गुवाहाटी के आला पुलिस अधिकारियों से बातचीत कर जब उन्हें पूरा मामले की जानकारी दी, तब वे भी समझ गए कि स्थानीय पुलिस ने गलती से रायपुर पुलिस को ही आरोपी बना लिया है। मामला समझने के बाद स्थानीय पुलिस ने रायपुर पुलिस कर्मियों को छोड़ा।

खाली हाथ लौट रही टीम - इधर इस घटना के बाद अब रायपुर पुलिस को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। स्थानीय पुलिस ने इस मामले को जांच में लिया है, वहीं जिन आरोपियों को गिरफ्तार करने पुलिस गुवाहाटी गई थी, वे अभी भी गिरफ्त से बाहर हैं। स्थानीय पुलिस ने भी उन्हें अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है।

डिजिटल अरेस्ट के मामले ...
जो पुलिस टीम ने अपनी कार में रखे थे। इससे पहले कि टीम आरोपियों को गिरफ्तार करने की सूचना स्थानीय पुलिस को देती, उससे पहले पकड़े गए आरोपियों ने ही स्थानीय पुलिस को सूचना देकर बुला लिया कि रायपुर से आई पुलिस डरा-धमका कर उनसे पैसों की वसूली कर रही है। स्थानीय पुलिस सूचना पर मौके पर पहुंची और इस मामले में रायपुर पुलिस के वाहन से पैसे बरामद करते हुए सभी पुलिस कर्मियों को हिरासत में लेकर थाने लेकर पहुंची और उनके विरुद्ध केस दर्ज किया।

बैंक ने मांगा...
(56), का निधन 26 जनवरी, 2026 को हो गया था। बैंकवालों ने खाताधारक को लाने की बात कही। वह श्मशान घाट गया। उसने अपनी बहन की कब्र खोदी और उसमें से कंकाल निकालकर कपड़े में लपेटा और चिलचिलाती धूप में 3 किलोमीटर पैदल चलकर बैंक पहुंचा गया। यहां वह सीधा बैंक के अंदर गया और कंकाल को रखकर कपड़ा खोल दिया। बैंक में अफरा-तफरी मच गई। बैंकवालों ने जीतू को समझाया लेकिन वह नहीं माना। आखिरकार पुलिस बुलानी पड़ी।

स्मार्ट फोन...लत...
ज्यादा हो रही है, जो भविष्य में उनकी शारीरिक समस्या का बड़ा कारण बन सकता है। स्कूलों में होने वाली ऑनलाइन पढ़ाई भी मोबाइल की लत डालने का बड़ा कारण है। मोबाइल स्क्रीन की तेज रोशनी आंखों पर बुरा असर डाल रही है, तो एक ही मुद्रा में झुककर इस पर नजर गड़ाए रखना कंधे और स्पाइनल की समस्या का कारण बन रहा है। इसके अलावा स्मार्टफोन के स्क्रीन पर लगातार घूमने वाली उंगलियों में सुन्नपन और कलाई की नसों में सूजन की शिकायत बढ़ी है। इसके अलावा देर रात तक मोबाइल देखने की वजह से सिरदर्द अनिद्रा जैसी न्यूरोलॉजिकल समस्याएं भी सामने आने लगी हैं। स्मार्टफोन के लगातार उपयोग का असर लोगों की मानसिक अवस्था पर भी पड़ रहा है। इसकी वजह से चिड़चिड़ापन, एकाग्रता की कमी, भूलने की समस्याएं भी सामने आने लगी हैं। चिकित्सकों के मुताबिक इलाज के लिए आने वाले कई मरीजों की हिस्ट्री में स्मार्ट फोन का अधिक उपयोग का कारण भी शामिल है।

रील और रियल...
लोगों की दिमागी अवस्था को संकुचित करता है, क्योंकि बिना मेहनत उन्हें सारी जानकारी मिल जाती है, जो उनके भविष्य में रुकावट ला सकता है।

पैदा होती है...
स्पाइनल और शोल्डर की समस्या लेकर आने वाले कई मरीजों की हिस्ट्री में इसका कारण मोबाइल का ज्यादा उपयोग सामने आया है।

अनिद्रा और माइग्रेन...
पुरानी थकान जैसी समस्या हो सकती है। स्क्रीन टाइमिंग तय करने के साथ इसके उपयोग के दौरान सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कंप्यूटर विजन सिंड्रोम...
ज्यादातर मरीजों की परेशानी का कारण मोबाइल का अत्याधिक उपयोग होता है। इनमें टीन एजर्स के मरीज अधिक हैं।

900 सीढ़ी चढ़ने...
खाकर जमीन गिर पड़े। फूल सिंह के जमीन पर गिरने के बाद हड़कंप मच गया। घटना के बाद मौके पर मौजूद मंदिर के पंडा और स्थानीय लोगों ने मदद की। परिजन ने भी श्रद्धालुओं की मदद ली लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और फूल सिंह की मौत हो गई। इस घटना के बाद हंसी खुशी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे परिवार में मातम पसर गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को अस्पताल भेजा जहां पीएम उपरान्त शव को परिजन के सुपुर्द कर दिया है। फिलहाल श्रद्धालु की मौत के कारणों का पता नहीं चल सका है लेकिन चिकित्सक भीषण गर्मी में 900 सीढ़ियां चढ़ने और हार्ट अटैक से मौत होने की बात कह रहे है। **इस घटना के बाद उठी रोप वे की मांग**- भीषण गर्मी के बीच श्रद्धालु की मौत के बाद मंदिर में रोप वे निर्माण की मांग उठी। मंदिर में रोप वे निर्माण हेतु स्वीकृति मिली हुई है लेकिन रोपवे का काम नहीं हुआ। ऐसे दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं, बुजुर्गों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों के साथ ही श्रद्धालुओं ने रोपवे निर्माण की मांग की है ताकि इस तरह के हादसों से बचा जा सके।

राम पर आपत्तिजनक...
आरोप था कि प्रश्न पत्र में हमारे आराध्य भगवान श्री राम के नाम का जानबूझकर अपमानजनक प्रयोग किया गया है, जिससे सनातन समाज की धार्मिक भावनाएँ आहत हुई है। मामले में हिन्दू संगठनों ने डीईओ का पुतला दहन कर कलेक्टर, एसपी को ज्ञापन सौंपकर कड़ी कार्रवाई की भी मांग की थी। मामले में स्कूल शिक्षा विभाग ने संज्ञान लेते हुए इसकी जांच कराई। जांच में सामने आया कि जिले की प्राथमिक शालाओं के परीक्षा प्रश्न पत्रों के निर्धारण, मुद्रण और वितरण की पूरी जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय की थी। इसके बावजूद प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे द्वारा न तो प्रश्न पत्र तैयार करने की कोई स्पष्ट प्रक्रिया तय की गई और न ही कार्य योजना बनाई गई। इस गंभीर लापरवाही के कारण ही आपत्तिजनक प्रश्न पत्र तैयार हुआ, जिससे शासन और शिक्षा विभाग की छवि धूमिल हुई।

उनके कार्यकाल के...
नियम, 1965 के तहत गंभीर कदाचार माना गया है। साथ ही विजय कुमार लहरे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय रायपुर स्थित संभागीय संयुक्त संचालक (शिक्षा) कार्यालय रहेगा। वहीं, आगामी आदेश तक बी.एल. देवांगन को जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

हर दिन जान हथेली...
से जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ रहा है। लोगों ने खुद पत्थर, मिट्टी और रेत की बोरियां डालकर अस्थायी रास्ता बनाया है। ताकि किसी तरह आवागमन जारी रह सके। दोपहिया वाहन फिसलते हैं, लोग गिरते हैं, लेकिन मजबूरी है। पानी बढ़ते ही पूरा रास्ता डूब जाता है और गांवों का संपर्क कट जाता है। मरीज अस्पताल नहीं पहुंच पाते, राशन नहीं आ पाता और पूरा इलाका थम जाता है।

अदाणी ग्रुप का डेटा सेंटर जॉइंट वेंचर अदाणी कॉनेक्स

नई दिल्ली। अदाणी ग्रुप का अदाणी कॉनेक्स के साथ डेटा सेंटर जॉइंट वेंचर अदाणी कॉनेक्स, आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में 1 गीगावॉट एआई-रेडी डेटा सेंटर प्लेटफॉर्म के विकास का नेतृत्व कर रहा है। अदाणी ग्रुप की ओर से लगभग 1 हजार करोड़ रुपए के निवेश के साथ ये प्रोजेक्ट, भारत के अगले विकास के फेज में तेजी देने के लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने की ग्रुप की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर के रूप में अदाणी कॉनेक्स, एक मजबूत और इंटिग्रेटेड एनर्जी इकोसिस्टम के समर्थन के साथ स्केलेबल और एआई-रेडी डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित कर रहा है। ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर में अदाणी ग्रुप की क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, यह प्लेटफॉर्म हाई-डेंसिटी एआई और क्लाउड वर्कलोड्स की मांग को पूरा करने के लिए विश्वसनीय, सतत और लंबे समय तक पावर की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। यह फेज वाइज रोलआउट हाइपरस्केल मांग के अनुरूप तैयार किया गया है, जिससे एक एनर्जी सिक्योरिटी और फ्यूचर रेडी इकोसिस्टम विकसित होगा। यह इकोसिस्टम डिजिटल सेवाओं के विस्तार को सक्षम करेगा, एंटरप्राइज इनोवेशन को समर्थन देगा और भारत में एआई की महत्वाकांक्षाओं को और मजबूत करेगा। इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट से आगे, इस परियोजना से आंध्र प्रदेश के आर्थिक और इकोसिस्टम विकास में भी योगदान मिलने की उम्मीद है। यह राज्य को वैश्विक डिजिटल परिदृश्य में एक प्रमुख हब के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा, साथ ही भारत के व्यापक डिजिटल और एनर्जी ट्रांजिशन को भी समर्थन देगा। यह प्रोजेक्ट में अदाणी की उस प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जिसके तहत ग्रुप अगले दशक में भारत के एआई, एनर्जी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण के लिए 1 हजार करोड़ रुपए का निवेश करने जा रहा है।

मारुति सुजुकी के लाभ में 6.45 फीसदी की गिरावट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 6.45 प्रतिशत घटकर 3,659 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में उसे 3,911.1 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी ने कहा कि शुद्ध लाभ में गिरावट मुख्य रूप से 'मार्क-टू-मार्केट' प्रभाव के कारण आई है। साथ ही गैर-परिचालन आय में कमी आई है जो बॉन्ड प्रतिफल में बदलाव के कारण है, जिसकी भरपाई बाद में की जा सकती है। मार्क-टू-मार्केट परिसंपत्तियों की स्थितियों का मूल्यांकन करने की एक विधि है जो उनकी मूल खरीद कीमत के बजाय वर्तमान बाजार मूल्य पर आधारित होती है।

CHHATTISGARH STATE POWER GENERATION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
OFFICE OF THE ADDL.CHIEF ENGINEER (S&P) DSPM TPS, KORBA EAST, DISTT: KORBA, PIN: 495677 (C.G.)
PHONE NO. -(07759) 228501, TELEFAX -228501 Email: sepnw.dspmke@cspc.co.in

E-TENDER NOTICE NO.3213/2026
Online bids are invited by the undersigned through CSPGCL e-bidding system (SAP SRM) for, 2x250DSPM TPS, CSPGCL Korba East.

S. No.	Tender Specification No.	RFX No. of E-Tender	Particulars	Qty.	Last date & time of bid submission	E.M.D. (Rs.)	Tender Cost
01	16-06/ DSPM TPS/ S&P/CC(CSC)/ T-3294/26	8100051027	Work contract for Sample collection, preparation of coal, assistance in analysis & other office work at DSPM, TPS, CSPGCL, Korba (East).	As per Tender Schedule	14.05.2026 15:30 Hrs.	12844/-	590/-

NOTES:-For more details, please visit our website at: – https://www.cspc.co.in. Any amendment/ corrigendum, if required, will be displayed on our website only.
SAVE ELECTRICITY
SUPERINTEINDING ENGINEER (Contract)
DSPM TPS: CSPGCL KORBA EAST

NAGAR PANCHAYAT LAILUNGA, DISTRICT-RAIGARH
E-Procurement Tender Notice
Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in UDD Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
क्रमांक / 84 / न.पं./ लो.नि.वि./2026-27 लैलूंगा, दिनांक 28/04/2026
LAILUNGA NAGAR PANCHAYAT invites Online Tenders for and on behalf of Chief Municipal Officer, NAGAR PANCHAYAT LAILUNGA for Pre qualification and S.O.R. percentage rate (CGPWD Road/building 01.01.2015) tender in Form – A- through online from Eligible Class Contractors OF NAGAR PANCHAYAT LAILUNGA, Chhattisgarh/ PWD Chhattisgarh/ Equivalent contractors of Central/State Government and their undertaking or Experienced reputed Firms for similar work on Go Cge-Procurement System (https://eproc.cgstate.gov.in)

S. No.	Name of Work	NIT No. System Tender No.	Estimated cost (in Lacs)	Earnest Money Deposit	Time Period of Completion
1	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन निर्माण कार्य	Nit No 81/System Tender No.189972	Rs. 74.69	Rs. 57000/-(OFLINE PEYMENT) & Tender Document Fee (Non refundable) of Rs. 3000/- Demand Draft	12 Months
2	वार्ड क्रमांक 01 मुक्तिधाम निर्माण कार्य	Nit No 82/System Tender No.189959	54.26	Rs. 41000/-(OFLINE PEYMENT) & Tender Document Fee (Non refundable) of Rs. 3000/-Demand Draft	12 Months

CHIEF MUNICIPAL OFFICER NAGAR PANCHAYAT LAILUNGA

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS साईटिका तेल
शिव साईटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
नकली माल से सावधान

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com
Classified
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है-मित्तल फर्नीचर अमेरी चौक बिलासपुर में अकाउंट कार्य करने के लिए अकाउंटेंट लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- 9826663999 **(40703)**

आवश्यकता है-सिरगिट्टी हेतु सुरक्षागार्ड की आवश्यकता है उम्र 25 से 50वर्ष तक शैक्षणिक योग्यता 10वीं से स्नातक वेतन 11000 ड्यूटी 12घंटे तीन फोटो आधार कार्ड सहित तत्काल सम्पर्क करें- 8109314893, 99266 83722 **(40701)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल्स दुकान में साईट कार्य हेतु वाईरिंग, फिटिंग इलेक्ट्रीशियन लड़के चाहिए वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-अरूण इलेक्ट्रीकल्स चन्द्रा पार्क के सामने बृहस्पति बाजार बिलासपुर 7869102080 **(40708)**

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फ्लैक्स माउंटिंग हेतु लडकों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी15 ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा, बिलासपुर 62645 50163, 9685542250, 9644004113 **(40702)**

आवश्यकता है-फील्ड कार्य हेतु मैनेजर, पेमेंट रिकवरी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, बिजी, जीएसटी, अकाउंट कोटेशन के अनुभव वाले लड़कों/ लड़कियों एवं मिस्त्री मैकेनिक चाहिए सम्पर्क करें-गोडपारा गुरुद्वारा के बाजू में 96692 11111, 9827175811 **(40675)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- ड्राइवर की आवश्यकता है दोपहर 2बजे से रात 12 बजे तक सैलरी 12000, सम्पर्क करें- होटल रॉयल रामा टेलीफोन एक्सचेंज रोड पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 9893392495 **(40705)**

आवश्यकता है- अनुभवी एकाउंटेंट, मार्केटिंग, सेल्स कार्य हेतु शिक्षित युवक, दुकान कार्य हेतु लड़कों की। वेतन योग्यता अनुसार आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- 80852 22340 रिंग रोड नं.2, मंगला चौक के पास, बिलासपुर **(40706)**

आवश्यकता है- सिविल साइट इंजीनियर, सुपरवाइजर (ऑटोकैड, स्ट्रक्चरल अनुभवी साइट चलाने योग्य) चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 97707 70000, 9827072000 **(40707)**

आवश्यकता है-फर्निशिंग शोरूम में कार्य करने हेतु 111 लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार शोरूम में सम्पर्क करें-राजा ब्रदर्स, साइंस कॉलेज के पास सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 9399525343, 9179990715 **(40697)**

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर 9425540768 **(40698)**

आवश्यकता है-घरेलू कार्य करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। पता- रामा वर्ड न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9967299365 **(40686)**

आवश्यकता है-अनुभवी कार ड्राइवर की आवश्यकता है जो सभी प्रकार की कार चलाने में सक्षम हो (Manual/ Automatic) शाकाहारी को प्राथमिकता मासिक पेमेन्ट योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9301922223 **(40693)**

आवश्यकता है-मोबाइल शोरूम में एक साफ सफाई कर्मी, एक एसेसरीज मेंटेनेंस इंचार्ज, एक इंजीनियर, एक गार्ड एवं एक रिसेप्शनिस्ट युवक/ युवती चाहिए सम्पर्क करें- गुप्ता मोबाइल्स मेन रोड, जूना बिलासपुर 86023 90000 **(40677)**

आवश्यकता है-Shyam Enterprises में काम करने के लिए लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। समय- सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक वेतन- काम के अनुसार दिया जाएगा। सम्पर्क करें- 92382 16900 **(40689)**

आवश्यकता है-खाना बनाने हेतु लड़की/ महिला की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से 11बजे तक। डॉ. ईशा अग्रवाल, नेहरु नगर, प्रकृति लूथरा नर्सिंग होम के पीछे, बिलासपुर 78699 11052 **(40694)**

Required - Teacher Requirement (for coaching class) 11th, 12th Physics, Chemistry, Bio, Maths 9th, 10th Sst, Social Science, Maths, 5th to 8th All Subjects (Only CBSE Maths stream) Note- Atleast 3 years experienced holder Address- Krishna Acadamy, Indu chowk Jarhabhatta Bilaspur 7999848993 **(40683)**

आवश्यकता है-कैफे में कार्य हेतु फ्रेशर युवक/युवती चाहिए सैलरी योग्यतानुसार 6000 से 8000 सम्पर्क करें- 12बजे के बाद, ब्रूबेरी कैफे, एम्बियंस बिजनेस पार्क, CMD कॉलेज के सामने बिलासपुर 79879 26453, 9131256249, 07752 490692 **(40695)**

आवश्यकता है-रायपुर हेतु सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 15, फील्ड अधिकारी 5, वेतन 13000 से योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय-6, जे.शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 77470 00019 **(005)**

आवश्यकता है-एलआईसी में केवल महिलाओं के लिये पार्ट टाइम/ फुल टाइम बीमा सखी की भर्ती योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, 7000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति, असीमित कमीशन आय सम्पर्क- आशीष अग्रवाल (विकास अधिकारी) 98939 61300 **(40685)**

आवश्यकता है-सिलपहरी स्थित कोल्ड स्टोर में अनुभवी एकाउंटेंट कार्य का जानकार युवक एवं पिकअप, कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए रहने की सुविधा उपलब्ध है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- 9827115208 **(40676)**

आवश्यकता है- (1) वेलनेस एवं FMCG प्रोडक्ट्स की फील्ड मार्केटिंग हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़का योग्यता- फार्मा, MBA, PGDCA (2) वेलनेस, आयुर्वेद प्रोडक्ट्स शॉपी हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए योग्यता बीफार्मा, BAMS सम्पर्क- 7067124226 **(40673)**

आवश्यकता है-कार वॉशिंग गैराज में कार्य करने हेतु हेल्पर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें-माँ शारदा कार केयर, संजीवनी हॉस्पिटल के पास, स्मार्ट रोड, बिलासपुर 7879094455 **(40672)**

आवश्यकता है-फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 7869919759 **(40678)**

आवश्यकता है- दर्जी (टेलर) की आवश्यकता है जो पर्स चैन कव्हर कुशन कव्हर सिलाई का जानकार हो, सम्पर्क करें- ज्योति डेकोर देवकीनन्दन चौक से पुराना अरपा पुल की तरफ बिलासपुर 8319241410 **(40639)**

आवश्यकता है-ग्राफिक डिजाईनर (अनुभवी डिजाईनर को प्राथमिकता) एकाउण्टेन्ट (अनुभवी टेली ऑपरेटर को प्राथमिकता) वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें-मॉडर्न ग्राफिक्स सत्यम चौक इमलीपारा रोड बिलासपुर 7987779883, 62646 45649 **(40681)**

आवश्यकता है-नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स व कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 **(40634)**

बेचना है

बेचना है-महामाया रेसीडेंसी कॉलोनी कोनी में नवनिर्मित 5BHK तीन मंजिल भवन शीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 7049009079 **(530)**

बेचना है-मौसाजी होंडा के पीछे सीपत रोड सरकंडा में 880 वर्गफिट के दो प्लॉट एवं त्रिपति नगर, बिरकोना रोड में 3000 वर्गफीट का एक प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 93406 49889, 9039477885 **(40688)**

बेचना है-मेन रोड हाईवे पर स्थित कुम्हारी से 4km दूर (अहीवारा रोड) प्रस्तावित 4-लेन हाईवे पर 8000 स्क्वायर फीट के करीब जमीन/फ्लैट बेचना है। सम्पर्क करें- 88892 88003, 8770489005 **(152)**

बेचना है-सकरी आसमां पेट्रोल पम्प के पीछे मेन रोड के अत्यंत समीप, लगानी, डायवर्टेड प्लाट 4246 वर्गफीट फ्रन्ट 70 (नगर निगम/ डायवर्सन का 2026 तक का टैक्स पटा है) तत्काल बेचना है सम्पर्क- के.एल. साहू 93296 46270 **(40684)**

बेचना है-न्यू बस स्टैण्ड तिफरा के समीप यदुनन्दन नगर में 2BHK मकान, एक दुकान, गार्डन सहित प्लाट एरिया 1500 वर्गफिट, 2400 वर्गफिट का tncp प्लाट डबल रोड कार्नर का सम्पर्क- 98263 14444 **(40692)**

बेचना है-अनुभवी इंजीनियर द्वारा निर्मित, नर्मदा विहार यदुनन्दन नगर, तिफरा में मकान नं 21, TNC एग्रूव्ड, दो मंजिला मकान प्लाट एरिया 1650 वर्गफिट निर्मित एरिया भूतल 1350 वर्गफिट, प्रथम तल 1000 वर्गफिट एवं शेड 200 वर्गफिट कुल निर्मित एरिया 2550 वर्गफिट बेचना है। सम्पर्क करें- 9424146997, 78986 87010 **(40699)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे- BA, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, MA, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic B.Tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 **(4146)**

फायनेंस

फायनेंस- महा लक्ष्मी फाइनेंस द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधारकार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध 2% ब्याज 30% छूट सम्पर्क करें- 90393 10732, 8280401638 **(040)**

MedicareSpecialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- **जिला कार्यालय कोरबा:-** बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- **जिला कार्यालय मुंगेली:-** थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- **शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-** मो. 9993567380, 8770837744
- **एड प्रयास:-** मो. 9826701269, 9926003943
- **श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-** मो. 9827168452, 9300625174
- **रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-** मो. 9826129386, 8319503386
- **जे.जे. एडवरटाइजर्स:-** मो. 9300659628
- **रौनक पब्लिसिटी:-** मो. 9300328290, 9981658490
- **भार्गव एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827167997
- **श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-** मो. 9826705603
- **एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827180896, 9131155033
- **श्री श्याम पब्लिसिटी:-** मो. 9425540759
- **अमित पब्लिकेशन:-** मो. 9826304304, 9827124304
- **विप्रा विज्ञापन सेवा:-** मो. 9302462506
- **माधवास & कम्पनी:-** मो. 9977185123, 9893115084
- **बालाजी एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827466133, 9907047586

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	7	6	1	13
बेंगलुरु	8	6	2	12
हैदराबाद	8	5	3	10
राजस्थान	8	5	3	10
गुजरात	8	4	4	8
चेन्नई	8	3	5	6
दिल्ली	8	3	5	6
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
380 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
14 विकेट
बेंगलुरु

ट्रॉफी कहे जाने पर भड़की प्रीति, बोली -औरत किसी की प्रॉपर्टी नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पंजाब किंग्स अब तक एकमात्र ऐसी टीम है, जो आईपीएल में एक भी मैच नहीं हारी है। इस टीम की मालकिन प्रीति जिंटा भी अपनी टीम के प्रदर्शन से बहुत खुश हैं। आमतौर पर प्रीति जिंटा मैदान में अपनी टीम को सपोर्ट करने आती हैं और लगातार चर्चा में बनी रहती हैं। मगर इस बार उनके चर्चा में आने का कारण कुछ और हैं, क्योंकि वो एक फैन पर भड़क उठी हैं। उन्होंने यह तक कह दिया कि औरत किसी की प्रॉपर्टी नहीं होती।

सोशल मीडिया में सवाल जवाब

पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में केवल 2 बार फाइनल मैच खेला है, लेकिन अब तक उसे पहली ट्रॉफी नसीब नहीं हुई है। एक फैन ने सोशल मीडिया पर कहा कि पंजाब की टीम 18 साल के इतिहास में ट्रॉफी इसलिए नहीं जीत पाई है, क्योंकि 'प्रीति जिंटा' खुद एक ट्रॉफी हैं।

प्रीति का सटीक जवाब

इस पर प्रीति जिंटा ने जो जवाब दिया, उसने सोशल मीडिया पर सनसनी मचाई हुई है।प्रीति जिंटा ने लिखा, धन्यवाद, यह बहुत अच्छी सोच है, लेकिन सच कहूं तो कोई भी महिला ट्रॉफी नहीं बनना चाहती। ट्रॉफी पर मालिकाना हक होता है, औरत पर नहीं। ट्रॉफी को कांच की अलमारी/शोकेस में रख दिया जाता है लेकिन औरत का आपके जीवन और आपके दिल में एक खास स्थान होता है। आपके फिल्मी सवाल के लिए फिल्मी अंदाज वाला जवाब।

लगातार दूसरे फाइनल की ओर पंजाब किंग्स

पंजाब किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरे फाइनल की ओर बढ़ रही है। आईपीएल 2025 के फाइनल में पंजाब किंग्स की टीम को आरसीबी के हाथों 6 रनों की हार झेलनी पड़ी थी। आईपीएल 2026 में भी श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब ने दमदार प्रदर्शन को कायम रखा है। पंजाब के 7 मैचों में 13 अंक हैं और केवल दो जीत के बाद उसकी प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित हो जाएगी।

मनु भाकर से वैभव सूर्यवंशी को लेकर सवाल, सोशल मीडिया पर मचा बवाल ?

नई दिल्ली। भारत की स्टार निशानेबाज मनु भाकर से युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी पर पूछा गया एक सवाल सोशल मीडिया पर बड़ी बहस का कारण बन गया। दिल्ली में नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के 75वें स्थापना समारोह के दौरान पत्रकारों ने मनु से 15 वर्षीय क्रिकेट प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को लेकर राय मांगी। मनु भाकर ने बेहद संतुलित और प्रेरणादायक जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'अगर मार्गदर्शन अच्छा हो, उसके आसपास सही लोग हों और उसे सही दिशा मिले, तो उम्र सिर्फ एक संख्या है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी मिलती हैं और छह साल में भी। अगर उसे सही मेंटरशिप मिली, तो वह अगला बड़ा स्टार बन सकता है।'

सोशल मीडिया पर भड़के लोग?

हालांकि मनु के जवाब की तारीफ हुई, लेकिन कई लोगों ने सवाल पूछने के तरीके पर नाराजगी जताई। सोशल मीडिया यूजर्स का कहना था कि एक ओलंपिक पदक विजेता खिलाड़ी से किसी क्रिकेटर पर सवाल पूछना दूसरे खेलों के प्रति असंतुलित सोच को दिखाता है। पूर्व क्रिकेट प्रशासक जॉय भट्टाचार्य ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, वह ओलंपिक पदक विजेता हैं। उनसे वैभव सूर्यवंशी के बारे में पूछना उनके खेल और उनकी उपलब्धियों के साथ न्याय नहीं है। क्रिकेट पहले से ही देश का सबसे लोकप्रिय खेल है। अगली बार वैभव सूर्यवंशी से मनु भाकर के बारे में पूछिए, तब चेहरे देखिए।

खबर संक्षेप

बल्लेबाजों को लेनी होगी व्यक्तिगत जिम्मेदारी

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी टीम की 9 विकेट से करारी शिकस्त के बाद कहा कि उन्हें भी नहीं पता चला कि टीम ने इतनी जल्दी विकेट कैसे गंवा दिए, लेकिन बल्लेबाजों को इसके लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेनी होगी। अक्षर ने कहा कि उन्हें भी नहीं पता कि टीम ने चार ओवर के अंदर 6 विकेट कैसे गंवा दिए। अक्षर ने कहा, 'हमारी किस्मत थोड़ी खराब रही। हमने शुरुआती 15-16 गेंदों पर ही 6 विकेट गंवा दिए। मुझे भी पता नहीं चला कि यह कैसे हुआ।'

नए प्रयोगों ने दिया आत्मविश्वास: कृणाल

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हरफनमौला कृणाल पंड्या ने आईपीएल के पिछले दो सत्रों में अपनी गेंदबाजी में आए बदलाव का श्रेय टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच मलोलन रंगराजन को देते हुए कहा कि उनके भरोसे ने उन्हें नए प्रयोग करने की स्वतंत्रता दी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सोमवार को टीम की महज 6.3 ओवर में नौ विकेट से बड़ी जीत के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें विकेट लेने की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे वह खुलकर नए प्रयोग कर सकते हैं। कृणाल ने कहा, 'हमारे स्पिन बॉलिंग कोच मलोलन रंगराजन को भी काफी श्रेय जाना चाहिए। जब मैं आरसीबी में आया, तो मेरी भूमिका बदल गई। मुझे विकेट लेने और प्रयोग करने की आजादी मिली। यह भरोसा बहुत मदद करता है।'

धावक साबे ने पेश की मिसाल खुद कराए कई डोप टेस्ट

लंदन। दो घंटे से कम समय में मैराथन पूरी करने वाले पहले धावक सबास्टियन साबे ने यह रिकॉर्ड बनाने से पहले स्वयं ही डोपिंग के कई परीक्षण करवाए और उन्हें उम्मीद है कि वह दुनिया के सामने यह साबित कर देंगे कि वह पूरी तरह से साफ सुथरा होकर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कीनिया के इस 29 वर्षीय धावक ने रविवार को लंदन मैराथन में 1 घंटे, 59 मिनट और 30 सेकंड का समय लेकर वह कारनामा कर दिखाया, जिसे लंबे समय से असंभव माना जा रहा था। साबे ने अपने कोच और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर अपने प्रदर्शन को लेकर किसी भी संदेह को दूर करने के लिए स्वेच्छा से 'कई' डोपिंग परीक्षण करवाए।

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हराया

पंजाब की पहली हार, आरआर ने चेज किया टारगेट

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

डोनोवन फरेरा के तूफानी अर्धशतक और शुभम दुबे के साथ उनकी अटूट अर्धशतकीय साझेदारी से राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया, जो मौजूदा सत्र में पंजाब की टीम की पहली हार है। पंजाब के 223 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स ने सलामी बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल (51 रन, 27 गेंद, 7 चौके, 1 छक्का) और वैभव सूर्यवंशी (43 रन, 16 गेंद, 5 छक्के, 3 चौके) की तूफानी पारियों के बाद डोनोवन फरेरा (नाबाद 52 रन, 26 गेंद, 6 चौके, 3 छक्के) और शुभम दुबे (नाबाद 31 रन, 12 गेंद, 3 चौके, 2 छक्के) के बीच पांचवें विकेट की 32 गेंद में 77 रन की अटूट साझेदारी से 19.2 ओवर में 4 विकेट पर 228 रन बनाकर जीत दर्ज की।

यश राज ने बदला मैच

आरआर के 19 साल का यश राज पुंजा ने मैच में बहुत ही शानदार गेंदबाजी की और पंजाब के दोनों ख़तरनाक खिलाड़ी कूपर कोनोलीऔर प्रभसिमरन सिंह को पवेलियन भेज दिया। दोनों बल्लेबाज उस समय आउट हुए जब दोनों क्रीज पर जम गए थे। यदि ये दोनों बल्लेबाज अहम समय में आउट नहीं होते तो पंजाब 20 रन और बना सकता था। इससे मैच को पासा पलट सकता था।

वैभव ने किया कमाल

इससे पहले आईपीएल के किसी भी सीजन में किसी बल्लेबाज ने 400 रन 230 प्लस के स्ट्राइक रेट से नहीं बनाए थे। यानी आईपीएल में 2008 से 2025 तक जो नहीं हुआ था, वह वैभव ने 2026 में कर दिखाया है। उन्होंने पंजाब किंग्स के खिलाफ महज 16 गेंद पर 43 रन की पारी खेलते हुए जलवा बिखेरा। इस पारी में वैभव ने 5 छक्के लगाए। वैभव के नाम इस सीजन अभी तक सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा छक्के दर्ज हो गए हैं।

खतरे में गेल का महारिकॉर्ड

वैभव के नाम आईपीएल 2026 में 37 छक्के 9 मैच खेलकर ही दर्ज हो गए हैं। बता दें कि आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा 59 छक्कों का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम दर्ज है। 2012 से यह रिकॉर्ड टूटा नहीं है। इस बार वैभव जिस तरह खेल रहे हैं, अभी कम से कम 5 लीग मैच उनके पास बाकी हैं। अगर राजस्थान प्लेऑफ में पहुंची तो वैभव के पास पांच से अधिक पारियां होंगी। सीजन के अंत तक अगर 22 छक्के वह लगाते हैं तो क्रिस गेल का यह महारिकॉर्ड इस सीजन टूट सकता है।

स्टोइनिस और प्रभसिमरन का तूफानी अर्धशतक

पंजाब किंग्स ने मार्कस स्टोइनिस (नाबाद 62, 22 गेंद, 6 छक्के, 4 चौके) के ताबड़तोड़ अर्धशतक और सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन (59 रन, 44 गेंद, 6 चौके, 1 छक्का) के जुझारु अर्धशतक से 4 विकेट पर 222 रन बनाए। प्रभसिमरन ने अर्धशतक जड़ने के अलावा कूपर कोनोली (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 59 और कप्तान श्रेयस अय्यर (30) के साथ तीसरे विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी भी की। स्टोइनिस की तूफानी पारी से पंजाब किंग्स की टीम आखिरी 3 ओवर में 55 रन जोड़ने में सफल रही।

सैमसन, ईशान,गिल से आगे निकले प्रभसिमरन

प्रभसिमरन सिंह पंजाब किंग्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इस मैच में 59 रन की पारी के बाद वह संजू सैमसन, इशान किशन और शुभमन गिल जैसे खिलाड़ियों से भी आगे निकल गए हैं। इस सीजन प्रभसिमरन सिंह का यह आईपीएल 2026 में भी चौथा पचासा था।

आईसीसी विमेंस टी20 रैंकिंग

लौरा ने लगाई लंबी छलांग तीसरे पायदान पर पहुंचीं

एजेंसी ▶▶| दुबई

साउथ अफ्रीकी कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने आईसीसी विमेंस टी20 प्लेयर्स रैंकिंग में अपने करियर की सबसे ऊंची रेटिंग हासिल कर ली है। वोल्वार्ड्ट हाल ही में भारत के खिलाफ 5 मुकाबलों की टी20 सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रही थीं। लौरा वोल्वार्ड्ट टी20 बल्लेबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। अब वह 'नंबर 1' पर काबिज जॉर्जिया वोल से ठीक पीछे हैं। शानदार फॉर्म में चल रही इस साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी ने अपने हालिया दमदार प्रदर्शन की बदौलत अपने करियर की सबसे ऊंची रेटिंग हासिल की है। ऋचा घोष 2 पायदान ऊपर चढ़कर 22वें स्थान पर और सुने लुस 6 स्थान की छलांग लगाकर 29वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

चौथे पायदान पर पहुंचीं दीप्ति

शीर्ष टी20 गेंदबाजों की सूची में मुकाबला अभी भी कड़ा बना हुआ है। इस सूची में पाकिस्तानी स्पिनर सादिया इकबाल सबसे आगे हैं। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे पायदान पर पहुंच गई हैं।

उबेर कप में भारत का सफर खत्म, चीन फिर बना बाधा

एजेंसी ▶▶| होर्सेंस

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी। उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है।

वांग झियी से हारी सिंधु

सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशरानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया गया। सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं।

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
प्रथम निविदा सूचना

क्र.02/न.पा.नि./स्वास्थ्य विभाग/जोन क्र. 01/सकरी/2026-27 दिनांक 28/04/2026

नगर पालिक निगम बिलासपुर जोन क्र.01 सकरी में सफाई कार्य हेतु (73 अकुशल) सफाई श्रमिक प्रदाय कार्य हेतु निविदा आमंत्रण GEM के माध्यम से किया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

बिड संख्या	कार्य का विवरण	स्वीकृत राशि रु. (लाख में)
GEM/2026/B/7484274	जोन क्र. 01 सकरी में सफाई कार्य हेतु (73 अकुशल) सफाई श्रमिक प्रदाय कार्य।	111.16

टीप–उपरोक्त कार्य हेतु अन्य जानकारी http://gem.gov.in के माध्यम से प्राप्त कर सकते है।

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा कचरें को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

कार्यपालन अभियंता
जोन क्र.01 सकरी
नगर पालिक निगम., बिलासपुर (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूसन कम्पनी लिमिटेड
CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LTD.
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) (A Successor Company of CSEB)
(CIN: U40108CT2003SGC015822)

क्र./स.यं.सू./सामा./ समाचार प्रकाशन /309 सूरजपुर, दिनाँक 28/04/26

बिजली बंद की सूचना

सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि, छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. सूरजपुर संभाग के अन्तर्गत, 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र बिश्रामपुर में पूर्व में स्थापित 3.15 एम.व्ही.ए. क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर की क्षमता वृद्धि कर 5 एम.व्ही.ए. क्षमता के पॉवर ट्रांसफार्मर लगाये जाने का कार्य दिनांक 30.04.2026 (दिन- गुरूवार) को किया जाना प्रस्तावित है। अत: 11 के.व्ही. बिश्रामपुर टाउन फीडर, स्टोर फीडर, सलका फीडर एवं सिलफिली फीडर से विद्युत प्रवाहित होने वाली समस्त उच्च दाब व निम्न दाब उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति प्रात: 11:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक बंद रहेगी। सम्मानीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिए खेद है।

टीप- "विद्युत प्रवाह की अवधि आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।"
"विद्युत देयकों का भुगतान समय पर करें।" "विद्युत चोरी दण्डनीय अपराध है।"
"प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना का अधिक से अधिक लाभ लें।"

संवाद- कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. सूरजपुर

कार्यालय नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

No :- 628/NP Premnagar/2026 **ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना** Premnagar, Date :-28/04/2026

नगर पंचायत प्रेमनगर, जिला सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली द्वारा जारी सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाइन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

System Tender no	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
189846	24.57	18400	28/04/2026 17.30 PM after	18/05/2026 Before 17.30 PM	21/05/2026 Before 14.00 PM	22/05/2026 After 13.00 PM

उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्ते धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही जानकारी ऑनलाईन वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर पंचायत प्रेमनगर जिला-सूरजपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत आमदी, जिला - धमतरी (छ.ग.)
Email ID - comamdi@gmail.com

ई-प्रोक्युरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना
Main Portal : http//eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / 129/न.पं./ लोनिवि / 2026-27 आमदी, दिनांक 27.04.2026

कार्यालय नगर पंचायत आमदी द्वारा लोक निर्माण विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु CGPWD Building SOR w.e.f. 01.01.2015, PWD Road SOR 01.01.2025 Electrical SOR 01.06.2020 & PHE SOR 01.06.2020 & Ammendment (निविदा जारी होने के दिनांक तक समस्त संशोधनों के साथ) कम अधिक या समान दरों पर शेड्यूल अनुसार निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं :-

1.ऑनलाईन निविदा करने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 18.05.2026 समय दोपहर 05:30 बजे तक।
2. फिजिकल डाक्यूमेंट कार्यालय नगर पंचायत आमदी में जमा करने की अंतिम तिथि - 22.05.2026 समय दोपहर 04:00 बजे तक।
3. ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि - 25.05.2026 समय सुबह 11:00 बजे से।

क्र.	NIT नंबर	टेण्डर सिस्टम नंबर	कार्य का नाम	एस.ओ.आर. निविदा राशि (लाख में)	अमानत राशि (रु. में)	प्रपत्र	निविदा प्रपत्र शुल्क (रु. में)	समयावधि
1	129	189817	वार्ड क्रमांक 15 मुक्तिधाम उन्नयन कार्य।	57.72 लाख	43300/-	"A"	3000/-	06 माह

उक्त कार्य हेतु विस्तृत जानकारी अवधि में ई-प्रोक्यूमेंट वेब पोर्टल Main Portal : http//eproc.cgstate.gov.in से भी डाउनलोड व देखी जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत, आमदी जिला-धमतरी (छ.ग.)

कार्यालय, नगर पंचायत कूंरा, जिला-रायपुर (छ.ग.)
e-mail - npkunra2016@gmail.com

क्रं./106/लो.नि.वि./न.पं. / 2026-27 कूंरा, दिनांक 27.04.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना (6th Call)
Main: Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
UADD Portal: http://uad.cg.gov.in

नगर पंचायत कूंरा द्वारा एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्रं.	सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	अमानत राशि (लाख में)	निविदा ऑनलाईन करने की प्रारंभिक / अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
	189886	Design, Construction, Testing, Commissioning of All The Components of Interception and Diversion Based Sewage Treatment Plant (STP) Work Including 05 Years of operation and Maintenance of The Entire System in Nagar Panchayat, Kunra Under SBM 2.0 (6 Call) th	238.14	1.50	प्रारंभिक तिथि 28.04.2026 अंतिम तिथि 08.05.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट http://uad.cg.gov.in से भी देखी / डाउनलोड की जा सकती है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत कूंरा,जिला रायपुर (छ.ग.)

ई–नीलामी विक्रय सूचना
निलामी की तिथि एवं समय :– 20-मई-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई–नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित।

एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:

एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

(A) स. क्र.	(A) ऋणी(यों) का नाम	(B) वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	(C) अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	(D) कब्जे का प्रकार	(E) आरक्षित मूल्य (रु.)	(F) (G) ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	श्री प्रकाश अनोश, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर–छ.ग.–495001. श्रीमती प्रकाश रशिम अनोश, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाठा, बिलासपुर–छ.ग.–495001& श्रीमती प्रकाश आशा, प्रीति किराना स्टोर के पीछे, ग्रीन पार्क कॉलोनी, जरहाभाटा, बिलासपुर–छ.ग.–495001. श्री प्रकाश अनोश, काली ढाबा के पीछे, हिर्री माइंस, छतौना, बिलासपुर–छ.ग.– 495224. श्रीमती प्रकाश रशिम अनोश काली ढाबा हिर्री माइंस के पीछे, छतौना, बिलासपुर–छ.ग.– 495224. श्रीमती प्रकाश आशा काली ढाबा हिर्री माइंस के पीछे, छतौना, बिलासपुर–छ.ग.– 4952248 श्री प्रकाश अनोश, प्रकाश इंटरप्राइजेज, न्यू हाई कोर्ट के पास, काली ढाबा के पीछे, रायपुर रोड–बिलासपुर–छग– 495001&	₹ 3,15,03,835/- 31 अगस्त 2022* की स्थिति में	प्लॉट 101, मकान शीट संख्या 5/4, खसरा 118/1, प.ह.नं. 22, मौजा तालापारा कॉलोनी, ग्रीन पार्क, वार्ड नंबर 9, बिलासपुर, प्लॉट एरिया (बिक्री विलेख के अनुसार):– 11,725 वर्ग फुट (1089.68 वर्ग मीटर), बी–1 के अनुसार:– 9146 वर्ग फुट (850 वर्ग मीटर), निर्माण:– (निर्मित क्षेत्र) भूतल (पिछला भाग)– 1573 वर्ग फुट (146.59 वर्ग मीटर), प्रथम तल (पिछला भाग)– 1573 वर्ग फुट (146.59 वर्ग मीटर), वास्तविक प्लॉट एरिया (साइट के अनुसार)– 6572 वर्ग फुट, भूतल (व्यावसायिक भाग):– 1975 वर्ग फुट (183.55 वर्ग मीटर), **लेटिट्यूड–22.075289, लांगिट्यूड–82.139343.**	भौतिक	₹2,89,10,000/-	₹28,91,000/- ₹ 15,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :– 06-मई -2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :–18-मई -2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।

ऋणभार/दावों का खुलासा: संपत्ति के संबंध में यह निवेदन किया जाता है कि प्रतिभूतिकरण आवेदन (एसए) एसए/98/2023 वर्तमान में माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण (डीआरटी) जबलपुर के समक्ष विचाराधीन है, और उक्त संपत्ति की प्रस्तावित ई–नीलामी सह बिक्री उक्त कार्यवाही में माननीय डीआरटी द्वारा पारित अंतिम आदेशों और निर्देशों के अधीन और उन पर निर्भर होगी।

संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई–नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई–मेल: Auction.Manager@BidDeal.in ; संपर्क नंबर: +919266604643.

सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई–बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 29 अप्रैल, 2026
स्थान: बिलासपुर

रजिस्टर्ड पता–एच.डी.एफ.सी. बैंक हाउस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

540 साल पुराने प्रेम पत्र का एआई ने खोला राज, पैसे या प्यार?

लंदन। दुनिया के सबसे पुराने प्रेम पत्र ने 540 साल बाद अपने पन्नों में दफन वो राज खोल दिया है, जिसे पढ़कर आज भी किसी का दिल भर आए। 15वीं सदी की एक दुल्हन के दिल की तड़प और पैसे बनाम प्यार की जंग को जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने डिकोड किया, तो पता चला कि सदियां बीत जाने के बाद भी इंसान की भावनाएं और मजबूरियां आज भी वैसी ही हैं। फरवरी 1477 में मार्जरी ब्रूज नाम की महिला ने अपने मंगेतर जॉन पास्टन तृतीय को यह खत लिखा था, जिसमें दहेज को लेकर चल रही पारिवारिक खींचतान और उससे उपजे दर्द को बयां किया गया था। इस पत्र को पढ़ना एक्सपर्ट्स के लिए भी अब तक एक बड़ी चुनौती थी, क्योंकि इसकी लिखावट, व्याकरण और पुरानी अंग्रेजी की शब्दावली आधुनिक पाठकों की समझ से परे थी। लेकिन 'माईहेरिटेज' के नए 'सक्रिबे एआई' टूल ने इस मुश्किल काम को चुटकियों में कर दिखाया।

प्यार को बचाने के लिए जद्दोजहद

मार्जरी ने इस खत को भारी दिल के साथ लिखा था, क्योंकि उनकी मां उनके पिता को दहेज की राशि बढ़ाने के लिए राजी नहीं कर पाई थीं। खत में मार्जरी अपने मंगेतर जॉन से कहती हैं कि अगर उनके पास मौजूदा संपत्ति से आधी भी होती, तब भी वे उनका साथ कभी नहीं छोड़तीं। मार्जरी का यह समर्पण दिखाता है कि उस दौर में भी महिलाएं पारिवारिक दबाव और सामाजिक प्रतिष्ठा के बीच अपने प्यार को बचाने के लिए कितनी जद्दोजहद करती थीं। उन्होंने खत के आखिर में जॉन से इसे गुप्त रखने की गुजारिश भी की थी, ताकि दहेज की बात बाहर न निकले। यह प्रेम पत्र पास्टन लेटर्स का हिस्सा है, जो नॉरफॉक के एक परिवार द्वारा तीन पीढ़ियों के दौरान लिखे गए 400 से अधिक पत्रों का एक अद्भुत संग्रह है।

15वीं सदी की दुल्हन का दर्द पढ़ भर आएंगी आंखें!

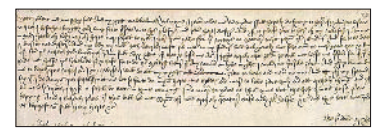

इंसानी जज्बात कभी नहीं बदलते

मार्जरी के एक वंशज पुरातत्वविद हैं। उन्होंने कहा, 'यह पत्र हमें याद दिलाता है कि जिन लोगों का हम इतिहास में अध्ययन करते हैं, वे बिल्कुल हमारे जैसे ही थे। उनके पास भी वैसी ही भावनाएं और वैसी ही चुनौतियां थीं जैसी आज हमारे पास हैं।'

दुनिया का सबसे पुराना लव लेटर

एआई ने न केवल अक्षरों को पहचाना, बल्कि उस समय के ऐतिहासिक संदर्भ, भावनाओं और महत्व का सारांश भी तैयार किया। शोधकर्ताओं ने बताया कि इस पत्र की भाषा आज की अंग्रेजी से इतनी अलग है कि इसे पहली नजर में पढ़ना लगभग नामुमकिन था, लेकिन एआई ने इसे आज की सरल भाषा में अनुवादित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि इस प्रेम कहानी का अंत सुखद रहा। तमाम अड़चनों के बावजूद मार्जरी और जॉन की शादी हुई और 1479 में उनका एक बेटा हुआ, जिसका नाम विलियम रखा गया।

रोचक खबरें

अनोखा जीव! जो भोजन निगलने के लिए करता है आंखों का इस्तेमाल

नई दिल्ली। दुनिया में कई अनोखे जीव पाए जाते हैं, लेकिन मेंढक का तरीका सबसे अलग माना जाता है। यह ऐसा जीव है जो अपने भोजन को निगलने में आंखों की भी मदद लेता है। सुनने में यह अजीब जरूर लगता है,

लेकिन इसके पीछे एक दिलचस्प जैविक प्रक्रिया काम करती है, जिसे विज्ञान में एक खास तरह का एडॉप्टेशन माना जाता है। दरअसल, मेंढक अपने शिकार को चबा नहीं सकता। वह कीड़े-मकोड़े या छोटे जीवों को सीधे निगलता है। जब वह किसी बड़े शिकार को पकड़ता है, तो निगलते समय उसकी आंखें अंदर की ओर धंस जाती हैं। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि एक खास तकनीक है, जो भोजन को गले तक पहुंचाने में मदद करती है। जब मेंढक अपनी आंखों को नीचे की ओर दबाता है, तो वे मुंह के अंदर की तरफ हल्का दबाव बनाती हैं। यह दबाव शिकार को धीरे-धीरे ग्रासनली (गले) की ओर धकेलने में मदद करता है। यानी उसकी आंखें एक तरह से पुश देने का काम करती हैं। मेंढक के सिर के ऊपरी हिस्से और आंखों के बीच सख्त हड्डी नहीं होती है। वहां लचीले ऊतक मौजूद होते हैं, जिससे आंखें आसानी से अंदर की ओर जा सकती हैं। यही वजह है कि यह प्रक्रिया संभव हो पाती है। मेंढक की जीभ आगे की तरफ जुड़ी होती है, जिससे वह तेजी से बाहर निकलकर शिकार पकड़ लेती है।

यहां सरकार उठा रही है युवाओं के डेटिंग का खर्चा, हर महीने मिलते हैं इतने पैसे

टोक्यो। जापान में घटती जनसंख्या अब एक गंभीर चिंता बन चुकी है। इसी चुनौती से निपटने के लिए सरकार ने एक अनोखी पहल शुरू की है, जिसके तहत युवाओं को डेटिंग ऐप्स इस्तेमाल करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। मकसद साफ है कि लोग एक-दूसरे से जुड़ें, रिश्ते बनाएं और आगे चलकर शादी व परिवार की ओर कदम बढ़ाएं। इस दिशा में जापान के कोची प्रान्त ने मीटिंग सपोर्ट प्रोजेक्ट ग्रांट नाम की योजना शुरू की है।

इसके तहत अविवाहित युवाओं को डेटिंग प्लेटफॉर्म्स से जोड़ने के लिए आर्थिक मदद दी जा रही है। सरकार चाहती है कि युवा डिजिटल माध्यम से एक-दूसरे को समझें और फिर वास्तविक जीवन में रिश्तों को आगे बढ़ाएं।इस योजना के तहत 20 से 39 साल के अविवाहित युवाओं को सालाना 20,000 येन (करीब 11,700 रुपए) तक की सब्सिडी दी जा रही है। यह राशि डेटिंग ऐप्स के रजिस्ट्रेशन और सब्सक्रिप्शन पर खर्च करने के लिए है, ताकि युवा बिना झिझक इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग कर सकें।

डायनासोर युग में समुद्र का राजा था 62 फुट का क्राकेन ऑक्टोपस

वॉशिंगटन। आज के समय से करीब 10 करोड़ साल पहले डायनासोर के जमाने में समुद्रों का सबसे बड़ा शिकारी ऑक्टोपस था। जीवाश्मों से मिले जबड़ों के नए विश्लेषण से पता चलता है कि विशाल क्रैकन जैसे ऑक्टोपस

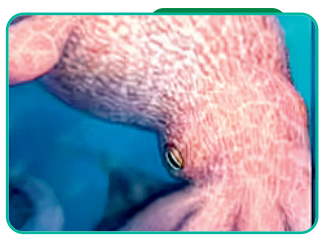

दूसरे समुद्री शिकारियों के साथ मिलकर शिकार करते थे और पानी में 'राज' करते थे। उनकी आठ बाजू और विशाल शरीर था, जो 62 फीट (18 मीटर) से ज्यादा लंबे होते थे। इस शारीरिक बनावट से यह दूसरे मांसाहारी समुद्री रेंगने वाले जीवों को मुश्किल में डालते थे। एक्सपर्ट का कहना है कि यह ऑक्टोपस उससे ज्यादा बड़ा था, जितना सोचा गया था। पौराणिक कथाओं के राक्षस जैसे इस जीव के बारे में कहा गया है कि क्रेटेशियस काल के दौरान विशाल 'क्रैकन' जैसे सेफलोपोड्स समुद्रों पर राज करते थे। वे विशाल समुद्री सरीसृपों और दूसरे तथाकथित शीर्ष शिकारियों का शिकार करते थे। गुरुवार को अमेरिकन एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में प्रकाशित स्टडी में यह बात सामने आई है। होक्काइडो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने लिखा, 'यह विशाल मोलस्क क्रेटेशियस काल के महासागरों में रहने वाले सभी जीवों में सबसे बड़े शरीरों में से एक था।

अफ्रीका महाद्वीप 2 हिस्सों में टूट रहा, सोच से बड़ी हो चुकी है धरती के क्रस्ट की दरार

वॉशिंगटन। अफ्रीका में जमीन के नीचे एक बड़ी भूगर्भीय हलचल हो रही है, जिसके चलते यह विशाल महाद्वीप को दो हिस्सों में टूट रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि पूर्वी अफ्रीका क्षेत्र में धरती की पपड़ी बहुत ज्यादा पतली हो गई है, जो महाद्वीप के टूट की ओर इशारा करती है। इस स्टडी के नतीजे नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित हुए थे।

एक-दूसरे से दूर जा रहीं प्लेटें

तुर्काना रिफ्ट केन्या और इथियोपिया में लगभग 500 किमी तक फैला हुआ है। यह विशाल पूर्वी अफ्रीकी रिफ्ट प्रणाली का हिस्सा है, जो उत्तर पूर्वी इथियोपिया में अफार डिप्रेशन से लेकर मोजाम्बिक तक फैली हुई है। यह अरब और सोमाली प्लेटों को अलग करती है। इस क्षेत्र में अफ्रीकी और सोमाली प्लेटें 4.7 मिलीमीटर प्रतिवर्ष की दर से धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर जा रही हैं।

वैज्ञानिकों की बढ़ी टेंशन

धरती के अंदर बढ़ रही दरार

वैज्ञानिकों के अनुसार, जैसे-जैसे यह अलगाव होता है, जमीन की पपड़ी पर तनाव पड़ता है, जिसके कारण सतह मुड़ जाती है और उसमें दरारें पड़ जाती हैं। हालांकि, सभी दरारें महाद्वीपों को अलग नहीं करती हैं, लेकिन तुर्काना की दरार उसी तरफ बढ़ती दिखाई दे रही है। वैज्ञानिकों ने यहां बहुत ज्यादा पतली क्रस्ट का पता लगाया है।

बनेगा एक नया महासागर

हालांकि, यह बदलाव बहुत लंबे समय में होते हैं। तुरकाना रिफ्ट लगभग 4.5 करोड़ साल पहले खुलना शुरू हुआ था। शोधकर्ताओं का मानना है कि लगभग 40 लाख साल पहले बड़े पैमाने पर ज्वालामुखी विस्फोट के बाद नेकिंग शुरू हुई। इसका अगला चरण ओशनाइजेशन कहा जाता है- यानी महासागर का बनना। इसके शुरू होने में अभी लाखों साल सकते हैं। उस चरण में दरारों से मैग्मा ऊपर उठेगा और समुद्र तल पर नई जमीन बनाएगा। इस दौरान उत्तर में स्थित हिंद महासागर का पानी वहां भर सकता है।

हम पपड़ी के टूटने की उस सीमा तक पहुंच गए

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की लैमोंड-डोहर्टी अर्थ ऑब्जर्वेटरी के पीएचडी छात्र और स्टडी के प्रमुख लेखकर क्रिश्चियन रोवन ने बताया कि दरार की प्रक्रिया पहले की तुलना में कहीं अधिक उन्नत है और क्रस्ट पहले से कहीं अधिक पतली है। उन्होंने कहा, पूर्वी अफ्रीका में दरार की प्रक्रिया सोच से कहीं अधिक आगे बढ़ चुकी हैं। स्टडी के नतीजे बताते हैं कि दरार के केंद्र में पपड़ी की मोटाई लगभग 13 किलोमीटर है। वहीं, इससे दूर यह 35 से अधिक हो जाती है। यह नाटकीय अंतर नेकिंग की ओर इशारा करता है। नेकिंग एक महत्वपूर्ण टेक्टोनिक चरण का संकेत है, जो बताता है कि धरती की पपड़ी बीच से कैसे खिंचती और पतली होती है।पपड़ी जैसे-जैसे पतली होती जाती है, उतनी ही कमजोर भी होती जाती है। दरार पड़ने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है। आखिरकार पपड़ी टूट जाती है। हम पपड़ी के टूटने की उस सीमा तक पहुंच गए हैं।

दिल्ली-मुंबई है भारत का सबसे लंबा एक्सप्रेसवे

6 राज्यों को जोड़ने वाले इस रास्ते की लंबाई है 1350 किलोमीटर

नई दिल्ली। तेजी से बदलते भारत की पहचान अब सिर्फ ऊंची इमारतों या मेट्रो शहरों से नहीं, बल्कि उन सड़कों से भी हो रही है जो दूरियों को मिनटों में समेट देती हैं। देश में हाईवे और एक्सप्रेसवे का जाल लगातार फैल रहा है, लेकिन इन सबके बीच एक ऐसा मेगा प्रोजेक्ट है जिसने लोगों की यात्रा के मायने ही बदल दिए हैं। यह सिर्फ एक सड़क नहीं, बल्कि छह राज्यों को जोड़ने वाला विकास का राजमार्ग है, जो भविष्य के भारत की झलक दिखाता है।

हम बात कर रहे हैं दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की, जिसे भारत का सबसे लंबा और आधुनिक एक्सप्रेसवे माना जा रहा है। करीब 1350 किलोमीटर लंबा यह मार्ग देश की राजधानी नई दिल्ली को आर्थिक राजधानी मुंबई से सीधे जोड़ता है। इस परियोजना को 'भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण' द्वारा विकसित किया जा रहा है और इसे देश के सबसे महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में गिना जाता है।

छह राज्यों को जोड़ता है एक साथ

यह हाईटेक एक्सप्रेसवे हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों से होकर गुजरता है। इससे इन क्षेत्रों में न केवल कनेक्टिविटी बेहतर होगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा। उद्योग, पर्यटन और रोजगार के नए अवसर इस मार्ग के साथ तेजी से विकसित होंगे।

क्या है इसकी खासियत?

इस एक्सप्रेसवे की सबसे बड़ी खासियत है इसका समय बचाने वाला सफर। जहां पहले दिल्ली से मुंबई तक पहुंचने में लगभग 24 घंटे लग जाते थे, वहीं अब यही दूरी महज 12 से 13 घंटे में पूरी की जा सकेगी। यानी आधे समय में दोगुनी रफ्तार का अनुभव। यह बदलावष न केवल यात्रियों के लिए राहत लेकर आएगा।

इंफ्रास्ट्रक्चर की नई पहचान

सुविधाओं के मामले में भी यह एक्सप्रेसवे किसी आधुनिक शहर से कम नहीं है। यहां इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग स्टेशन, रेस्ट एरिया, पेट्रोल पंप और इमरजेंसी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। यह एक्सप्रेसवे सिर्फ दूरी घटाने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर को एक नई पहचान देने वाला बदलाव है।

खूबसूरती देख खींचे चले आते हैं जानवर, पत्ते खाते ही हो जाता है खौफनाक हाल

भारत का शाप कहलाता है ये पौधा!

नई दिल्ली। भारत में कई ऐसे पौधे पाए जाते हैं जो अपनी खूबसूरती से लोगों को आकर्षित करते हैं, लेकिन उनके पीछे छिपा सच काफी खतरनाक होता है। ऐसा ही एक पौधा है लैंटाना, जिसे अक्सर 'भारत का श्राप' कहा जाता है। इस पौधे की सबसे खतरनाक बात इसकी

जहरीली प्रकृति है। इसके पत्ते अगर मवेशी या अन्य जानवर खा लें, तो उनके शरीर पर गंभीर असर पड़ सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, लैंटाना के सेवन से जानवरों के लिवर पर बुरा प्रभाव पड़ता है और कई मामलों में उनके अंग फेल होने लगते हैं। इसके अलावा, यह त्वचा को सूरज की रोशनी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बना देता है।

अनोखा गांव! यहां सबसे पहले होती है सुबह, लोग दोपहर में ही बना लेते हैं डिनर

नई दिल्ली। भारत के पूर्वी छोर पर बसा एक छोटा-सा गांव अपनी अनोखी पहचान के लिए जाना जाता है। यहां देश में सबसे पहले सूरज की किरणें पहुंचती हैं। हम बात कर रहे हैं डोंग गांव की, जो अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन-म्यांमार के ट्राई जंक्शन के पास स्थित है। अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और खास भौगोलिक स्थिति के कारण यह गांव यात्रियों और फोटोग्राफरों के लिए एक आकर्षण का केंद्र बन चुका है। डोंग गांव में सूर्योदय का नजारा बेहद खास होता है। यहां सुबह करीब 2 से 3 बजे के बीच ही सूरज निकल आता है, जो देश के बाकी हिस्सों की तुलना में काफी पहले है। इस जगह को 1999 में प्रमुखता से पहचाना गया, जिसके बाद से ही लोग यहां इस अनोखे अनुभव के लिए पहुंचने लगे।

अपराह्न 4 बजे तक हो जाता है सूर्यास्त

सूर्योदय देखने के लिए पर्यटकों को घने जंगलों और ऊंची-नीची पहाड़ियों से होकर लगभग 4–5 किलोमीटर की ट्रैकिंग करनी पड़ती है। सीमित सुविधाओं के बावजूद, प्रकृति के करीब रहने का एहसास यहां आने वालों को खास बना देता है। डोंग में सूरज जितनी जल्दी उगता है, उतनी ही जल्दी ढल भी जाता है। यहां दोपहर 3 से 4 बजे के आसपास ही सूर्यास्त हो जाता है। इसी वजह से गांव के लोगों की दिनचर्या भी अलग है। वे सुबह जल्दी अपने काम निपटा लेते हैं और दोपहर होते-होते रात के खाने की तैयारी शुरू कर देते हैं।

प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमता है जीवन

इस गांव में रहने वाली मिश्मी जनजाति का जीवन पूरी तरह प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमता है। उनके त्योहार, परंपराएं और रोजमर्रा की गतिविधियां सूर्योदय और सूर्यास्त के समय के अनुसार तय होती हैं। यह समुदाय प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीने का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करता है। डोंग गांव पहुंचने के लिए भारतीय पर्यटकों को इनर लाइन परमिट लेना जरूरी होता है, जबकि विदेशी यात्रियों के लिए प्रोटेक्टेड एरिया परमिट अनिवार्य है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

सीमा क्षेत्र के करीब होने के कारण यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम भी हैं। हालांकि, यहां तक पहुंचने का सफर थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन जो लोग एडवेंचर और प्रकृति से प्यार करते हैं, उनके लिए यह अनुभव यादगार साबित होता है।डोंग गांव सिर्फ एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक ऐसा अनुभव है जहां आप प्रकृति की लय के साथ जीने का असली मतलब समझ सकते हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com